RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 पश्मिना ने बॉलीवुड में देर से...

वर्ष : 26 अंक : 179 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बृहस्पतिवार, 20 जून, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

बिहार में बढ़ाया गया आरक्षण कोटा रद्द

नीतीश सरकार को झटका, हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

पटना (एजेंसी)। बिहार की नीतीश सरकार को पटना हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। बिहार की राष्ट्रीय जनतातांत्रिक गठबंधन सरकार ने बिहार में जाति आधारित जनगणना का फैसला किया था। जनगणना का काम बीच में बनी महागठबंधन सरकार के दौरान पूरा हुआ। महागठबंधन सरकार के भी मुखिया मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही थे। महागठबंधन सरकार ने जातीय जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाकर राज्य में आरक्षण का प्रतिशत 50 से बढ़ाकर 64 प्रतिशत तक पहुंचा दिया था। लोकसभा चुनाव 2024 में महगठबंधन के मुख्य दल राष्ट्रीय जनता दल ने इस आरक्षण का क्रेडिट भी लिया। किसी भी दल ने आरक्षण प्रतिशत बढ़ाने को गलत नहीं बताया था। लेकिन अब, पटना हाई कोर्ट ने आरक्षण प्रतिशत बढ़ाने के राज्य सरकार के फैसले को असंवैधानिक करार दिया है।

पटना हाईकोर्ट का यह फैसला नीतीश सरकार को बड़ा झटका माना जा रहा है। गुरुवार को सुनवाई की दौरान पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार के अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग को 65 आरक्षण देने वाले कानून को रद्द कर दिया है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

NEET की काउंसलिंग नहीं रूकेगी: सुप्रीम कोर्ट

केन्द्र सरकार और NTA को नोटिस, शिक्षा मंत्री के घर के बाहर उड़ाये नोट

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनईईटी की परीक्षा में कथित धांधली का मुद्दा लगातार गर्मा रहा है। इस मुददे को लेकर जहां दिल्ली में प्रदर्शन हो रहा है। वहीं शिक्षा विभाग के सचिव ने एनटीए के डीजी सुबोध कुमार सिंह को तलब किया है। वहीं गृह मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय ने बिहार ईडीयू के एडीजी नैययर हुसैनन खान को तलब किया है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में भी लगातार सुनवाई चल रही है। आज एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने केन्द्रीय शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के आवास के बाहर प्रदर्शन किया और हवा में 500 रूपये के नोट उड़ाये। दिल्ली पुलिस ने एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया है।

आज सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) और अन्य की ओर से दायर याचिका पर संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है। याचिका में राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (स्नातक)-2024 से संबंधित याचिकाओं को हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट स्थानांतरित करने की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इन मामलों में उच्च न्यायालय के समक्ष कार्यवाही पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने फिर दोहराया कि वह काउंसलिंग प्रक्रिया को नहीं रोकेगा।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को नोटिस जारी कर केंद्र, एनटीए और अन्य से भी जवाब मांगा है। नोटिस नीट-यूजी 2024 को रद्द करने और मेडिकल प्रवेश परीक्षा में कथित अनियमितताओं की अदालत की निगरानी में जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर जारी किया गया है। जस्टिस विक्रम नाथ और एसवीएन भट्टी की अवकाश पीठ ने इन याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 8 जुलाई की तारीख तय की।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए 20 छात्रों की ओर से दायर याचिकाओं में से एक में एनटीए और अन्य को नए सिरे से परीक्षा आयोजित करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है। परीक्षा से संबंधित अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए शीर्ष कोर्ट ने 18 जून को कहा था कि परीक्षा कराने में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकती। भले ही किसी की ओर से 0.001 प्रतिशत की लापरवाही हुई हो, इससे पूरी तरह से निपटा जाना चाहिए।

क्रिकेट ग्राउंड में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र में क्रिकेट ग्राउंड पर आज सुबह पेड़ पर एक युवक का शव लटका देखकर सनसनी फैल गई। पुलिस के मुताबिक युवक की पहचान हो गई है उसने पारिवारिक परेशानी के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या की है। हालांकि युवक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

एस्टर चौकी क्षेत्र के क्रिकेट ग्राउंड में आज सुबह पेड़ पर एक युवक का शव लटका देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा। युवक की पहचान सेक्टर 2 बी ब्लॉक में रहने वाले अमन कुमार पुत्र दिनेश कुमार के रूप में हुई। अमन के परिजनों को हादसे की (शेष पृष्ठ-3 पर)

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-2 क्षेत्र के इलाहाबास गांव में किराए पर रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर अपने जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक के पास से पुलिस को कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

जानकारी के मुताबिक मूल रूप से हरदोई निवासी (26 वर्षीय) रमाकांत पुत्र अजय पाल इलाहाबास गांव में किराए पर रह रहा था। वह एक निजी कंपनी में कार्यरत था। आज सुबह साथी किरायेदारों ने उसे खिड़की से फंदे पर लटका हुआ देखकर मकान मालिक को सूचना दी। मकान मालिक की सूचना पर मौके पर पहुंची थाना फेज-2 पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरा और पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच पड़ताल में पता चला है कि मृतक रमाकांत हरदोई का रहने वाला था और यहां अकेला किराए पर रह रहा था। घटना स्थल से पुलिस को कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है घटना की जानकारी पाकर नोएडा पहुंचे मृतक के परिजनों ने भी मौत के कारणों से अभिज्ञता जताई है। पड़ोस में रहने वाले किराएदारों ने पुलिस को बताया कि रमाकांत आस पड़ोस में रहने वाले लोगों से ज्यादा मतलब नहीं रखता था।

ऐतिहासिक नलगढ़ा गांव में भू-माफियाओं का बड़ा खेल

कंपनी मालिक से लाखों की धोखाधड़ी

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के ऐतिहासिक गांव नलगढा में भू-माफियाओं ने बड़ा खेल खेलते हुए दिल्ली के एक कंपनी मालिक के साथ धोखाधड़ी कर दी। भूमाफियाओं ने कंपनी मालिक को वर्ष 2014 में चार प्लॉट बेचे और बाद में षड्यंत्र रचकर चारों प्लॉट के बैनामे किसी और के नाम करवा दिए। धोखाधड़ी करके बेचे गए प्लॉटों के बैनामों में एक ही व्यक्ति गवाह बना है। पीड़ित कंपनी मालिक की शिकायत पर थाना सेक्टर-142 में दो जालसाजों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। दिल्ली के लाजपत नगर स्थित वृंदा होलीडे मेकर्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर विवेक कुमार बंसल ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसने अपनी कंपनी के लिए विकासपुरी नई दिल्ली निवासी विक्रम सरीन से नोएडा के नलगाडा गांव में चार आवासीय प्लॉट वर्ष 2014 में खरीदे थे। विक्रम सरीन के साथ कॉलोनी काटते समय रमेश पंवार उसका पार्टनर था। प्लॉटों का सौदा तय करते समय रमेश पंवार भी मौके पर मौजूद था और उसने बताया कि जमीन बिल्कुल ठीक है और उसे भविष्य में कोई परेशानी नहीं होगी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

योगी का बड़ा एक्शन

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा कराने वाली कंपनी पर गाज

- कंपनी की ब्लैकलिस्ट मालिक भागा अमेरिका

लखनऊ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। उत्तर प्रदेश पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में स्पेशल टास्क फोर्स की रिपोर्ट के बाद सिपाही भर्ती परीक्षा कराने वाले कंपनी एजुटेस्ट को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है। यूपीएसटीएफ की जांच के लिए मेरठ यूनिट विनीत आर्य को चार बार नोटिस भेजा गया था, लेकिन वह एक बार भी नहीं आए।

आपको बता दें कि सिपाही भर्ती परीक्षा करने की जिम्मेदारी Edutest को दी गई थी। इसी कंपनी ने ही सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर पहुंचाने के लिए नोएडा की लॉजिस्टिक्स कंपनी को ठेका दिया था। एजुटेस्ट के लोगों ने ट्रांसपोर्ट कंपनी के वेयरहाउस का मुआयना किया था, वेयरहाउस में रखें बॉक्स से ही राजीव नयन मिश्रा के कहने पर शुभम मंडल को बुलाया और भर्ती का पेपर निकलवाया था।

एसटीएफ की जांच में यह बात सामने आने के बाद एजुटेस्ट के मालिक विनीत आर्य को चार बार नोटिस भेजकर बुलाया गया, लेकिन वह एक बार भी पूछताछ के लिए नहीं आए. जानकारी मिली की एसटीएफ की (शेष पृष्ठ-3 पर)

हीटवेव का कहर

9 लोगों की संदिग्ध मौत

गौतमबुद्धनगर (चेतना मंच)। लगातार बढ़ रहा तापमान का पारा लोगों के लिए घातक साबित हो रहा है। हीट वेव से जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्र में 9 लोगों की मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि हीट वेव की चपेट में आने की वजह से यह मौतें हुई है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने हीट वेव से मौत होने की पुष्टि नहीं की है।

थाना सूरजपुर क्षेत्र में तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। थाना क्षेत्र के जुनपत गांव में किराए पर रहने वाला सुनील कुमार अपने कमरे में मृत पड़ा हुआ मिला। पड़ोसियों ने बताया कि बाहर से आने के बाद वह अपने कमरे में चला गया था (शेष पृष्ठ-3 पर)

जनपद में आज व कल राज्य पक्षी सारस की गणना

नोएडा (चेतना मंच)। आज तथा कल जनपद गौतमबुद्धनगर में राज्य पक्षी सारस की गणना होगी। यह गणना हर वर्ष दो बार होती है। इस गणना के लिए जनपद के प्रभागीय वन अधिकारी पीके श्रीवास्तव को ऑर्डिनेटर है। वहीं वनरक्षक गणना टीम का लीडर होगा। इस गणना में स्कूल, कॉलेज, प्रकृति प्रेमी तथा एनजीओ भी भाग ले सकते हैं। यह गणना आज सुबह 6:00 से 8:00 बजे तथा शाम को 4:00 बजे से 6: 00 बजे तक होनी प्रस्तावित है। दोनों पारी की गणना में जो भी संख्या अधिक होगी उसे वास्तविक मान जाएगा। बता दें कि उत्तर प्रदेश में पिछले वर्ष 2023 में सरसों की संख्या 19522 थी। जबकि वर्ष 2022 में 19188 तथा वर्ष 2021 में 17329 थी।

ट्रक से टकराया कैंटर, चालक की मौत

गेटर नोएडा (चेतना मंच)। दनकौर सिकंदराबाद मार्ग पर आज तड़के तेज गति में जा रहा कैंटर ट्रक से टकरा गया इस हादसे में कैंटर चालक की दर्दनाक मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि कैंटर चालक को नींद की झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ है। थाना दनकौर प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि आज सुबह करीब 5:30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि दनकौर सिकंदराबाद रोड पर कैंटर की ट्रक से टक्कर हो गई है। इस हादसे में कैंटर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है। सूचना के आधार पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल चालक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

दो साल से पुलिस को चकमा दे रहा था बदमाश चूहा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पुलिस ने 25 हजार के इनामी बदमाश चूहा उर्फ प्रकाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। बदमाश पिछले 2 साल से पुलिस के साथ आंख मिचौली खेल रहा था।

एडिशनल डीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि चूहा उर्फ प्रकाश नोएडा के सेक्टर 113 इलाके में किसी घटना को अंजाम देने जा रहा है । तभी कोतवाली सेक्टर 113 (शेष पृष्ठ-3 पर)

प्रधान के बेटों की दबंगई घर में घुसकर पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। छोलस गांव के प्रधान के बेटे ने युवक को बाइक की टक्कर मारने के बाद दबंगई दिखाते हुए उसकी जमकर पिटाई कर दी। ग्राम प्रधान के चार बेटों के खिलाफ थाना जारचा में मुकदमा दर्ज कराया गया है। ग्राम छोलस निवासी फिरोज पुत्र शरीफ कुरैशी ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि वह 18 जून को अपने घर से सामान लेने के लिए जा रहा था। रास्ते में ग्राम प्रधान अथर अली के छोटे बेटे शोएब ने अपनी बाइक से उसे टक्कर मार दी। उसने जब सही तरीके से बाइक चलाने को कहा तो बहस हो गई। इस दौरान आस-पड़ोस के लोगों ने दोनों को समझा बुझाकर वहां से भेज दिया। इसके बाद वह अपने घर चला आया कुछ देर बाद शोएब अपने भाई गफ्फारअली, सिमी, गाजी के साथ उसके घर आया और गाली गलौज शुरू कर दी। फिरोज के मुताबिक उसकी मां हसीना ने जब गाली गलौज का विरोध किया तो चारों भाई जबरन उसके घर (शेष पृष्ठ-3 पर)

'घर का कचरा लाओ, घर का सामान ले जाओ'

कल योग दिवस पर सेक्टर-55 आरडब्ल्यूए की सराहनीय पहल

नोएडा (चेतना मंच)। 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जहां समूचा नोएडा योगाभ्यास करेगा। वहीं इस विशेष दिन पर सेक्टर-55 आरडब्ल्यूए एक नायाब व सराहनीय पहल कर रहा है। जिसके तहत सेक्टरवासियों तथा शहरवासियों को सफाई के प्रति जागरूक करने के लिए 'घर का कचरा लाओ, घरेलू सामान ले जाओ' अभियान का भी शुभारंभ किया जाएगा। आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष सत्यनारायण गोयल तथा महासचिव राजेश अग्रवाल ने बताया

कि इस अभियान का उददेश्य लोगों को प्लास्टिक कचरे के प्रति जागरूक करना है। सभी लोग अपने घर के प्लास्टिक कचरे को एकत्रित करके आरडब्ल्यूए में मौजूद कलेक्शन सेंटर पर जमा करवा दें। इसके बदले घर में प्रयोग होने वाला सामान ले जाएं। इससे न सिर्फ पर्यावरण सुरक्षित रहेगा। बल्कि सभी प्लास्टिक के पुनर्चक्र के महत्व को भी समझेंगे। उन्होंने बताया कि बारातघर में हिन्दुस्तान लीवर के गृहउपयोगी सामान, मामाज के अर्थ के उत्पाद मसलन फ्लोर क्लीनर आदि की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। श्री अग्रवाल ने बताया कि कल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सेक्टर-55 में भी योग दिवस मनाया जाएगा जिसमें सभी सेक्टरवासी शामिल होंगे।

नोएडावासियों के साथ योगा करने आएंगे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा

- प्रभारी मंत्री कुंवर ब्रजेश सिंह, सांसद डा. महेश शर्मा व विधायक पंकज सिंह भी रहेंगे मौजूद : मनोज गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कल सेक्टर-21ए स्थित नोएडा इंडोर स्टेडियम में योग दिवस मनाया जाएगा। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद जेपी नड्डा मौजूद रहेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण विभाग के राज्यमंत्री तथा प्रभारी मंत्री कुंवर ब्रजेश सिंह, गौतमबुद्धनगर के सांसद डा. महेश शर्मा, नोएडा के विधायक पंकज सिंह भी मौजूद रहकर योगाभ्यास करेंगे। योग दिवस के आयोजक भारतीय जनता पार्टी के नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने यह जानकारी दी है। श्री गुप्ता ने बताया कि कल शुक्रवार को प्रात: 6.30 बजे नोएडा इंडोर स्टेडियम में योग दिवस आयोजित होगा।

इस मौके पर नोएडा एंटरप्रिन्योर्स एसोसिएशन, भारत विकास परिषद, अग्रवाल मित्र मंडल के पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। वहीं भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव समेत सभी पदाधिकारी तथा सभी प्रकोष्ठों एवं मंडलों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

युवराज का दांव

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी अपनी पारिवारिक संसदीय सीट रायबरेली से ही सांसद रहेंगे, लेकिन केरल की वायनाड सीट से इस्तीफा देंगे। वायनाड से छोटी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा अपनी चुनावी सियासत की शुरुआत करेंगी। वैसे वह 2004 से कांग्रेस के लिए चुनाव प्रचार करती रही हैं। वह पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव भी हैं, लेकिन 20 लंबे सालों के बाद अब उन्हें चुनाव लडने का मौका मिल रहा है, क्योंकि वायनाड की राजनीति को भी सुरक्षित रखना है। यदि प्रियंका उपचुनाव में जीत हासिल कर लेती हैं, तो वह पहला मौका होगा, जब गांधी परिवार के तीनों सदस्य सांसद होंगे। भाई-बहन लोकसभा सांसद हो सकते हैं, जबकि मां सोनिया गांधी राज्यसभा सदस्य हैं। यदि मेनका-वरुण गांधी को भी 'गांधी परिवार' में गिना जाए, तो यह पहला मौका है कि मां-बेटा दोनों ही संसद में नहीं हैं। बहरहाल हम कांग्रेस के गांधी परिवार की बात कर रहे हैं। लंबे चिंतन और विमर्श के बाद राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोडने का फैसला किया है। वायनाड ने राहुल गांधी की राजनीति और सांसदी का अस्तित्व बचाए रखा था, क्योंकि 2019 में भाजपा की स्मृति ईरानी ने अमेठी सीट पर उन्हें पराजित कर दिया था। तब वह वायनाड से जीत कर संसद में पहुंचे थे। अब 2024 के चुनाव में भी वायनाड सीट पर उनका मुकाबला सीपीआई की वरिष्ठ नेता एनी राजा से था। केरल में वाममोर्चे की ही सत्ता है, लेकिन वायनाड में जातीय, मजहबी समीकरण ऐसे हैं और फिर मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन है, जिससे कांग्रेस उम्मीदवार की जीत लगभग तय हो जाती है। वायनाड से राहुल गांधी 3,64,422 वोट से विजयी हुए थे। केरल राज्य कांग्रेस के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि डेढ़ साल बाद वहां विधानसभा चुनाव हैं। लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने एकतरफा जीत हासिल की है, लिहाजा कांग्रेस के भीतर विचार किया गया कि दक्षिण भारत को सहेज कर रखा जाए। चूंकि राहुल ने रायबरेली सीट भी 3,90,030 वोट से जीती है और उप्र में सपा के गठबंधन में कांग्रेस के 6 सांसद जीते हैं, बल्कि भाजपा को 33 सीट पर समेट दिया है। इस तरह भाजपा को 29 सीट का नुकसान हुआ है। कांग्रेस-सपा ने भाजपा को करारा राजनीतिक आघात दिया है। विधानसभा में कांग्रेस के मात्र 2 विधायक हैं, लिहाजा संसदीय चुनाव पार्टी के लिए 'वरदान' माने जा रहे हैं। अब कांग्रेस 2027 में विधानसभा चुनाव के लिए भी सपा के साथ गठबंधन बरकरार रखना चाहती है। कांग्रेस की खोई जमीन हासिल कर पार्टी को पुनरोत्थान के रास्ते पर लाना चाहती है, लिहाजा तय किया गया है कि उत्तरी भारत में राहुल गांधी कांग्रेस का चेहरा होंगे। दक्षिण में प्रियंका की भूमिका कितनी कारगर और सार्थक रहती है, यह वायनाड उपचुनाव के जनादेश के बाद की राजनीति से ही तय होगा। वैसे दक्षिण भारत कांग्रेस और गांधी परिवार पर अतिरिक्त भरोसा करता रहा है। कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस सरकारें हैं। इतिहास में जाएं, तो आपातकाल के बाद 1977 के चुनाव में इंदिरा गांधी हार गई थीं, तो उन्होंने कर्नाटक के चिकमंगलूर से उपचुनाव लड़ा और वह जीत कर लोकसभा पहुंची। 1980 के चुनाव में वह रायबरेली और आंध्रप्रदेश की मेडक दो सीटों पर चुनाव लड़ीं। दोनों पर ही विजयी रहीं, लेकिन उन्होंने रायबरेली से इस्तीफा दे दिया और संसद में मेडक का प्रतिनिधित्व किया। तब इंदिरा गांधी एक बार फिर देश की प्रधानमंत्री चुनी गई थीं। सोनिया गांधी ने पहला चुनाव कर्नाटक की बेल्लारी सीट से लड़ा और जीता। चूंकि तब वह अमेठी से भी चुनाव जीत गई थीं, लिहाजा बेल्लारी सीट छोड़ दी। कांग्रेस ने उत्तर-दक्षिण के गांधी भाई-बहन तय कर नई सियासत खेली है। उसकी सफलता अभी देखनी है। बहरहाल सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि क्या अब राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने को सहमत होंगे? यदि वह तैयार होते हैं, तो राजनीति के समीकरण बदलेंगे और राहुल को ज्यादा गंभीर और अध्ययनशील होना पड़ेगा। इस पद के लिए शशि थरूर और गौरव गोगोई के नाम भी लिए जा रहे हैं। कांग्रेस अपनी राजनीति के चेहरे को लेकर स्थिर और गंभीर क्यों नहीं होती? दूसरी ओर सवाल यह है कि क्या प्रियंका गांधी वायनाड सीट से उपचुनाव में सफल रहेंगी या उन्हें कड़ी टक्कर मिलेगी। सवाल यह भी है कि प्रियंका गांधी के जीतने की स्थिति में क्या वह लोकसभा में राहुल गांधी की जगह विपक्ष की नेता होंगी या राहुल ही यह दायित्व निभाएंगे।

समर्थकों की भीड़ के बावजूद तन्हा हैं राहुल गांधी

राहुल गांधी किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वे देश और राज्यों में सबसे लम्बे अरसे तक हुकूमत करने वाली कांग्रेस के अध्यक्ष रहे हैं। हाल के लोकसभा चुनाव में उन्होंने उत्तर प्रदेश के रायबरेली और केरल के वायनाड लोकसभा क्षेत्र से लाखों मतों से जीत हासिल कर इतिहास रचा है। उन्होंने अपने पुराने लोकसभा क्षेत्र वायनाड छोड़कर रायबरेली से सांसद रहने का फ़ैसला किया है। बहरहाल, उनकी ज़िन्दगी कोई आसान नहीं है। इसमें जितने फूल हैं, उससे कहीं ज़्यादा ख़ार हैं जिनकी चुभन उन्हें हमेशा महसूस होती रहती है। राहुल गांधी एक ऐसे ख़ानदान के वारिस हैं, जिसने देश के लिए अपनी जानें तक क़ुर्बान कर दीं। उनके भारत ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में लाखों-करोड़ों चाहने वाले हैं, लेकिन इस सबके बावजूद वे अकेले खड़े नज़र आते हैं। उनके चारों तरफ़ एक ऐसा अनदेखा दायरा है, जिससे वे चाहकर भी बाहर नहीं आ पाते। एक ऐसी दीवार है, जिसे वे तोड़ नहीं पा रहे हैं। वे अपने आसपास बने ख़ोल में घुटन तो महसूस करते हैं, लेकिन उससे निकलने की कोई राह, कोई तरकीब उन्हें नज़र नहीं आती।

बचपन से ही उन्हें ऐसा माहौल मिला, जहां अपने-पराये और दोस्त-दुश्मन की पहचान करना बड़ा मुश्किल हो गया था। उनकी दादी इंदिरा गांधी और उनके पिता राजीव गांधी का बेरहमी से क़त्ल कर दिया गया। इन हादसों ने उन्हें वह दर्द दिया, जिसकी ज़रा-सी भी याद उनकी आंखें भिगो देती है। उन्होंने कहा था- उनकी दादी को उन सुरक्षा गार्डों ने मारा, जिनके साथ वे बैडमिंटन खेला करते थे।

वैसे राहुल गांधी के दुश्मनों की भी कोई कमी नहीं है। कभी उन्हें जान से मार देने की धमकियां मिलती हैं, तो कभी उनकी गाड़ी पर पत्थर फेंके जाते है। अप्रैल 2018 में उनका जहाज़ क्रैश होते-होते बचा। कर्नाटक के हुबली में उड़ान के दौरान 41 हज़ार फुट की ऊंचाई पर जहाज़ में तकनीकी ख़राबी आ गई और वह आठ हज़ार फुट तक नीचे आ गया। उस वक़्त उन्हें लगा कि जहाज़ गिर जाएगा और उनकी जान नहीं बचेगी। लेकिन न जाने किनकी दुआएं ढाल बनकर खड़ी हो गईं और हादसा टल गया। कांग्रेस ने राहुल गांधी के ख़िलाफ़ साज़िश रचने का इल्ज़ाम लगाया था।

किसी अनहोनी की आशंका की वजह से ही राहुल गांधी हमेशा सुरक्षाकर्मियों से घिरे रहे हैं, इसलिए उन्हें वह ज़िन्दगी नहीं मिल पाई, जिसे कोई आम इंसान जीता है। बचपन में भी उन्हें गार्डन के एक कोने से दूसरे कोने तक जाने की इजाज़त नहीं थी। खेलते वक़्त भी सुरक्षाकर्मी किसी साये की तरह उनके साथ ही रहा करते थे। वे अपनी ज़िन्दगी जीना चाहते थे, एक आम इंसान की ज़िन्दगी। राहुल गांधी ने एक बार कहा था- अमेरिका में पढ़ाई के बाद मैंने जोखिम उठाया और अपने सुरक्षा गार्डों से निजात पा ली, ताकि इंग्लैंड में आम ज़िन्दगी जी सकूं। लेकिन ऐसा ज़्यादा वक़्त तक नहीं हो पाया और वे फिर से सुरक्षाकर्मियों के घेरे में क़ैद होकर रह गए।

हर वक़्त कड़ी सुरक्षा में रहना, किसी भी इंसान को असहज कर देगा, लेकिन उन्होंने इसी माहौल में जीने की आदत डाल ली। ख़ौफ़ के साये में रहने के बावजूद उनका दिल मुहब्बत से सराबोर है। वे एक ऐसे शख़्स हैं, जो अपने दुश्मनों के लिए भी दिल में नफ़रत नहीं रखते। वे कहते हैं- मेरे पिता ने मुझे सिखाया कि नफ़रत पालने वालों के लिए यह जेल होती है। मैं उनका आभार जताता हूं कि उन्होंने मुझे सभी को प्यार और सम्मान करना सिखाया। अपने पिता की सीख को उन्होंने अपनी ज़िन्दगी में ढाला, इसीलिए उन्होंने अपने पिता के क़ातिलों तक को माफ़ कर दिया। उनका कहना है- वजह जो भी हो, मुझे किसी भी तरह की हिंसा पसंद नहीं है। मुझे पता है कि दूसरी

राहुल गांधी एक ऐसे ख़ानदान के वारिस हैं, जिसने देश के लिए अपनी जानें तक क़ुर्बान कर दीं। उनके भारत ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में लाखों-करोड़ों चाहने वाले हैं, लेकिन इस सबके बावजूद वे अकेले खड़े नज़र आते हैं।

तरफ़ होने का मतलब क्या होता है, ऐसे में जब मैं हिंसा देखता हूं चाहे वो किसी के भी साथ हो रही हो, मुझे पता होता है कि इसके पीछे एक इंसान, उसका परिवार और रोते हुए बच्चे हैं। मैं ये समझने के लिए काफ़ी दर्द से होकर गुज़रा हूं। मुझे सच में किसी से नफ़रत करना बेहद मुश्किल लगता है।

उन्होंने लिबरेशन टाइगर्स ऑफ़ तमिल ईलम (लिट्टे) के प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरण का ज़िक्र करते हुए कहा था-मुझे याद है जब मैंने टीवी पर प्रभाकरण के मुर्दा जिस्म को ज़मीन पर पड़ा देखा। ये देखकर मेरे मन में दो जज़्बे पैदा हुए। पहला ये कि ये लोग इनकी लाश का इस तरह अपमान क्यों कर रहे हैं और दूसरा मुझे प्रभाकरण और उनके परिवार के लिए बुरा महसूस हुआ।

राहुल गांधी एक ऐसी शख़्सियत के मालिक हैं, जिनसे कोई भी मुतासिर हुए बिना नहीं रह सकता। देश के प्रभावशाली राज घराने से होने के बावजूद उनमें ज़र्रा भर भी ग़ुरूर नहीं है। उनकी भाषा में मिठास और अपनापन है, जो सभी को अपनी तरफ़ आकर्षित करता है। वे विनम्र इतने हैं कि अपने विरोधियों के साथ भी सम्मान से पेश आते हैं, भले ही उनके विरोधी उनके लिए कितनी ही तल्ख़ भाषा का इस्तेमाल क्यों न करते रहें. किसी भी हाल में वे अपनी तहज़ीब से पीछे नहीं हटते। उनके कट्टर विरोधी भी कहते हैं कि राहुल गांधी का विरोध करना उनकी पार्टी की नीति का एक अहम हिस्सा है, लेकिन ज़ाती तौर पर वे राहुल गांधी को बहुत पसंद करते हैं। वे ख़ुशमिज़ाज, ईमानदार, मेहनती, क्षमाशील और सकारात्मक सोच वाले हैं। बुज़ुर्ग उन्हें स्नेह करते हैं, उनके सर पर शफ़क़त का हाथ रखते हैं, उन्हें दुआएं देते हैं। वे युवाओं के चहेते हैं। राहुल गांधी अपने विरोधियों का नाम भी सम्मान के साथ लेते हैं, उनके नाम के साथ जी लगाते हैं। सच है कि संस्कार विरासत में मिलते हैं, संस्कार घर से मिला करते हैं। अपने से बड़ों के लिए उनके दिल में सम्मान है, तो बच्चों के लिए प्यार-दुलार है। वे इंसानियत को सर्वोपरि मानते हैं। अपने पिता की ही तरह अपने कट्टर विरोधियों की मदद करने में भी पीछे नहीं रहते।

राहुल गांधी छल और फ़रेब की राजनीति नहीं करते। वे कहते हैं- मैं गांधीजी की सोच से राजनीति करता हूं। अगर कोई मुझसे कहे कि आप झूठ बोल कर राजनीति करो, तो मैं यह नहीं कर सकता। मेरे अंदर ये है ही नहीं। इससे मुझे नुक़सान भी होता है। मैं झूठे वादे नहीं करता। वे ये भी कहते हैं- सत्ता और सच्चाई में फ़र्क़ होता है। ज़रूरी नहीं है, जिसके पास सत्ता है उसके पास सच्चाई है।

वे कहते हैं- जब भी मैं किसी देशवासी से मिलता हूं। मुझे सिर्फ़ उसकी भारतीयता दिखाई देती है। मेरे लिए उसकी यही पहचान है। अपने देशवासियों के बीच न मुझे धर्म, ना वर्ग, ना कोई और अंतर दिखता है।

कहते हैं कि सच के रास्ते में मुश्किले ज़्यादा आती हैं और राहुल गांधी को भी बेहिसाब मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बचपन से ही उनके विरोधियों ने उनके ख़िलाफ़ साज़िशें रचनी शुरू कर दी थीं। उन पर लगातार ज़ाती हमले किए जाते हैं। इस बात को राहुल गांधी भी बखूबी समझते हैं, तभी तो एक बार विदेश जाने से पहले उन्होंने एक्स पर अपने विरोधियों को सम्बोधित करते हुए लिखा था- कुछ दिन के लिए देश से बाहर रहूंगा। भारतीय जनता पार्टी की सोशल मीडिया ट्रोल आर्मी के दोस्तों, ज़्यादा परेशान मत होना. मैं जल्द ही वापस लौटूंगा।

राहुल गांधी पर हर तरफ़ से हमले होते ही रहते हैं। उनके खिलाफ़ देशभर में इतने मामले दर्ज हैं कि वे आए दिन किसी न किसी अदालत में पेश होते रहते हैं। मोदी सरनेम वाले मामले में सूरत की अदालत से दो साल की सज़ा मिलने के बाद 23 मार्च 2023 से उनकी लोकसभा की सदस्यता रद्द कर दी गई थी। इस पर उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय का रुख़ किया। अदालत ने 4 अगस्त को उन्हें दोषी ठहराए जाने के फ़ैसले पर रोक लगा दी। इसके बाद 7 अगस्त को लोकसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता बहाल कर दी।

राहुल गांधी एक नेता हैं, जो पार्टी संगठन को मज़बूत करने के लिए, पार्टी को हुकूमत में लाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, लेकिन उन्हें वह कामयाबी नहीं मिल पा रही है, जो उन्हें मिलनी चाहिए या ये कहें कि जिसके वे हक़दार हैं। शायद वे सियासत के लिए बने ही नहीं हैं। उन्हें तो सियासत में धकेला गया है।

बहरहाल वे तमाम अफ़वाहों और अपने ख़िलाफ़ रची जाने वाली तमाम साज़िशों से अकेले ही जूझ रहे है और मुस्कराकर उनका सामना कर रहे हैं।

- फ़िरदौस ख़ान

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि मैं न तो कवि हूँ, न चतुर कहलाता हूँ, अपनी बुद्धि के अनुसार श्री रामजी के गुण गाता हूँ। कहाँ तो श्री रघुनाथजी के अपार चरित्र, कहाँ संसार में आसक्त मेरी बुद्धि उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जेहिं मारुत गिरि मेरु उड़ाहीं। कहहु तूल केहि लेखे माहीं॥
समुझत अमित राम प्रभुताई। करत कथा मन अति कदराई॥
जिस हवा से सुमेरु जैसे पहाड़ उड़ जाते हैं, कहिए तो, उसके सामने रूई किस गिनती में है। श्री रामजी की असीम प्रभुता को समझकर कथा रचने में मेरा मन बहुत हिचकता है-॥

दो0-सारद सेस महेस बिधि आगम निगम पुरान।
नेति नेति कहि जासु गुन करहिं निरंतर गान॥
सरस्वतीजी, शेषजी, शिवजी, ब्रह्माजी, शास्त्र, वेद और पुराण- ये सब नेति-नेति कहकर (पार नहीं पाकर ऐसा नहीं, ऐसा नहीं कहते हुए) सदा जिनका गुणगान किया करते हैं॥

सब जानत प्रभु प्रभुता सोई। तदपि कहें बिनु रहा न कोई॥
तहाँ बेद अस कारन राखा। भजन प्रभाउ भाँति बहु भाषा॥
यद्यपि प्रभु श्री रामचन्द्रजी की प्रभुता को सब ऐसी (अकथनीय) ही जानते हैं, तथापि कहे बिना कोई नहीं रहा। इसमें वेद ने ऐसा कारण बताया है कि भजन का प्रभाव बहुत तरह से कहा गया है। (अर्थात भगवान की महिमा का पूरा वर्णन तो कोई कर नहीं सकता, परन्तु जिससे जितना बन पड़े उतना भगवान का गुणगान करना चाहिए, क्योंकि भगवान के गुणगान रूपी भजन का प्रभाव बहुत ही अनोखा है, उसका नाना प्रकार से शास्त्रों में वर्णन है। थोड़ा सा भी भगवान का भजन मनुष्य को सहज ही भवसागर से तार देता है)॥

(क्रमशः...)

परीक्षा घोटालों के लिए कौन है जिम्मेवार?

नीट परीक्षा को लेकर पूरे देश के शिक्षा जगत में जबरदस्त मायूसी की लहर देखने को आ रही है। इस मेडिकल प्रवेश परीक्षा के आयोजन से जुड़ी अनेक अनियमितताएं विदित हो रही हैं। नीट परीक्षा एनटीए (राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी) आयोजित कराती है। देश भर के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस और बीडीएस यानी डॉक्टरी की व दांतों की डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए करीब एक लाख सीटें हैं। इनमें से करीब 40 हजार सीटें सरकारी कॉलेजों में हैं। 60 हजार के करीब सीटें प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में हैं। प्रवेश का खेल इन्हीं 40 हजार सीट्स के लिए होता है, क्योंकि प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में 5 साल के कोर्स के लिए एक से सवा करोड़ रुपए तक लगते हैं, जबकि सरकारी मेडिकल कॉलेज से मेडिकल की पढ़ाई के लिए 5 साल में औसतन सिर्फ 5 लाख रुपए ही लगते हैं। इस बार 5 मई को पूरे देश में नीट की परीक्षा आयोजित हुई थी। कुल 23 लाख 33 हजार 297 छात्रों ने परीक्षा दी थी। एग्जाम का रिजल्ट पहले 14 जून को आना था, मगर 10 दिन पहले 4 जून को घोषित कर दिया गया। इस बार रिजल्ट आया तो कई तरह की खामियां नजर आईं। धीरे-धीरे आवाज उठी तो यह पूरा एग्जाम ही दाल में काला नजर आने लगा। मीडिया पर उपलब्ध एक न्यूज रिपोर्ट बताती है कि गुजरात के एक नामवर जिले में पैसों के दम पर पूरा का पूरा सेंटर ही बिक गया था। एक स्कूल में नीट का एग्जामिनेशन सेंटर था। इस सेंटर में 30 छात्रों को गलत तरीके से एग्जाम दिलवाया जा रहा था। यहां गुजरात के लोकल स्टूडेंट्स तो थे ही, लेकिन यहां पर महाराष्ट्र, उड़ीसा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों से भी स्टूडेंट्स आए थे।

अब कोई छात्र अपने प्रदेश को छोडक़र गुजरात के इस सेंटर में जाकर परीक्षा क्यों देगा? क्योंकि इस सेंटर पर बच्चों को पास कराने की पूरी सेटिंग हो चुकी थी। इन सारे बच्चों के माता-पिता से लाखों रुपए लिए गए थे। यहां इन छात्रों से कहा गया था कि उन्हें जितने सवाल आते हों, अपनी आंसर शीट में मार्क कर दें, बाकी सेंटर पर मौजूद लोग देख लेंगे, क्योंकि एक बार एग्जाम का वक्त खत्म होने से लेकर सारी कॉपियां पैक होकर भेजने तक में ढाई से तीन घंटे का वक्त लगता है। एग्जाम खत्म होने के सिर्फ आधे घंटे के भीतर कई सारे बड़े कोचिंग सेंटर सारे सवालों की आंसर की, यानी सही जवाब ऑनलाइन जारी कर देते हैं। इस सेंटर के कर्मचारियों को उन्हीं आंसर की की मदद से सारे छात्रों की ओएमआर शीट पर सही आंसर को सर्किल कर देना था। इस तरह से यह सारे छात्र पास हो जाते, लेकिन यह सब हो पाता, उससे पहले ही जिला प्रशासन को यह सूचना मिल गई। उन्होंने इस सेंटर को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद प्रशासन की देखरेख में फिर यह एग्जाम हुआ। अब जब एक सेंटर पर यह हो सकता है तो फिर देश के किसी भी सेंटर पर यह सेटिंग हो सकती है। गड़बडियां तो कई सारे सेंटरों में हुई हैं, लेकिन बस कुछ गड़बडियों का ही पता चल रहा है। हरियाणा के एक परीक्षा केंद्र का घटनाक्रम सोशल मीडिया पर हैरान करने वाला है। एग्जाम पेपर सरकारी बैंकों के पास होता है और एग्जाम वाले दिन वहीं से एग्जाम सेंटर पर पहुंचता है। ऐसे एग्जाम के दो अलग-अलग प्रश्न पत्र होते हैं।

एक वो जो सभी छात्रों को मिलता है और दूसरा वो जो इमरजेंसी के लिए होता है। मगर, ऐसा नहीं हो सकता कि कहीं इमरजेंसी वाला प्रश्न पत्र इस्तेमाल हो और कहीं सामान्य वाला इस्तेमाल हो। इन प्रश्न पत्रों में सवाल आगे-पीछे होते हैं, लेकिन सारे सवाल एक जैसे ही होते हैं। सुनते हैं कि इस एग्जाम सेंटर पर सामान्य और इमरजेंसी दोनों प्रश्न पत्र पहुंचा दिए गए। यदि यह सच निकलता है तो किसकी जिम्मेवारी तय होती है? इस केंद्र पर खबरों के मुताबिक छात्रों को एग्जाम सॉल्व करने के लिए इमरजेंसी प्रश्नपत्र दे दिया गया, यानी देश के बाकी छात्रों के लिए नीट की परीक्षा देने के लिए सामान्य प्रश्न पत्र था और इस सेंटर पर उन्हें वह प्रश्न पत्र दिया गया जो इमरजेंसी के लिए था। जिन छह छात्रों को पूरे 720 मार्क्स मिले हैं, उन्होंने यही एग्जाम पेपर सॉल्व किया था। कहना ही होगा कि जैसे-जैसे परीक्षा के तरीके आधुनिक होते गए, तो शिक्षा माफिया से जुड़े कुछ लोग भी 'जहां चाह, वहां राह' बनाते गए। उनके जाल से कोई राज्य या परीक्षा बाहर नहीं रहती है। देश का शायद ही कोई राज्य होगा और शायद ही कोई परीक्षा होगी, जहां धांधली का ग्राफ ऊंचा ही ऊंचा उठता न गया हो। परीक्षाएं ऑनलाइन होने के बाद तो जैसे परीक्षा घोटालों में तेजी आई है और घोटालेबाज खुलेआम व्यवस्था को चुनौती देते नजर आ रहे हैं। इसकी वजह नौकरियों के घटते मौके हों या कुछ और, लोग भी इन परीक्षाओं में पास होने के लिए लाखों की रकम देने को तैयार बैठे हैं। जानकार मानते हैं कि हर साल यह धंधा कई सौ करोड़ रुपए का होता है। ऑनलाइन परीक्षा की हामी भरने वाले मानते हैं कि जब परीक्षाएं ऑनलाइन होने लगीं तो कहा गया कि इनमें धोखाधड़ी संभव नहीं है। इनमें प्रश्नपत्र कागज पर नहीं छपते।

विशेषज्ञ सवालों का बैंक तैयार करते हैं और सॉफ्टवेयर एल्गोरिदम उन्हें चुनता है। प्रश्नपत्र टेस्ट सेंटर पर भेजे जाने से पहले एनक्रिप्टेड होते हैं। परीक्षार्थी के क्लिक करने पर ही वह खुलता है। परीक्षार्थियों के प्रश्नपत्र भी अलग-अलग होते हैं। इसके बावजूद हम चैन से नहीं बैठ सकते, क्योंकि गड़बड़ी करने वाले नए-नए तरीके तलाशते रहते हैं। धांधलीबाजों ने विदेशी संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली परीक्षाओं को भी नहीं बख्शा है। ऑनलाइन में जो घोटाला होता है, उसे बाद में पकडना मुश्किल है, क्योंकि बाद में सर्वर से डेटा हटा दिया जाता है। अगर गड़बड़ी करने वालों को पकड़ भी लिया, तो उसे साबित करना और कठिन होता है। पिछले कई वर्षों से शैक्षणिक-प्रशासनिक संस्थानों ने ऑनलाइन परीक्षा तो शुरू कर दी, लेकिन इसका जिम्मा निजी कंपनियों को दे दिया जाता है। क्या इनकी ईमानदारी पर शक किया जा सकता है? आज परीक्षा घोटालों से शायद ही कोई प्रदेश अछूता हो। प्रवेश परीक्षाओं का दबाव इतना अधिक होता है कि अनेक परीक्षार्थी असफल होने पर खुदकुशी कर लेते हैं। उपरोक्त विश्लेषण से लगता है कि इन परीक्षा घोटालों के लिए शिक्षा के धंधेबाजों का पैसे का लालच, कुछ तथाकथित कोचिंग सेंटरों की शमूलियत, परीक्षा के संचालन से जुड़े कुछ लोगों के ईमान का बिकाऊ होना, ऑनलाइन परीक्षा का फुलप्रूफ न होना और हमारे लिए पर्याप्त संख्या में कम खर्चे वाले मेडिकल शिक्षा संस्थानों का न होना आदि बातें जिम्मेवार हैं। बहरहाल, इस घोटाले से प्रभावित छात्रों को न्याय मिलना चाहिए।

-डा. वरिंद्र भाटिया
कालेज प्रिंसिपल

राशिफल

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष : त्रयोदशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
परिस्थितियां थोड़ी प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं, बचकर पार करें।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी होगी। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात हो सकती है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
शत्रु उपद्रव संभव है लेकिन शत्रु शमन भी संभव है। जीत आपकी ही होगी। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
प्रेम में तूतू-मैंमैं संभव है। भावुकता में काबू रखें। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम, संतान मध्यम है। व्यापार ठीक है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
गृहकलह के संकेत हैं लेकिन भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य बहुत अच्छा है। प्रेम, संतान भी बहुत अच्छा। व्यापार बहुत अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जुबान अनियंत्रित न होने दें। निवेश पर रोक लगाएं। स्वास्थ्य ठीक है। प्रेम, संतान भी ठीक है। व्यापार भी ठीक है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्यवान बने रहेंगे। जरूरत के हिसाब से वस्तुएं उपलब्ध होंगी। एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
मन में शंका बनी रहेगी। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा। शिवजी का जलाभिषेक करें।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आय के नवीन साधन बनेंगे। पुराने साधन से भी पैसे आएंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान का साथ होगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। व्यावसायिक लाभ होगा। पिता का साथ होगा। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य ठीक-ठाक, प्रेम-संतान अच्छा, व्यापार भी अच्छा।

विधायक ने मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया भ्रष्टाचार का मामला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की गई शिकायत में दादरी विधायक तेजपाल सिंह नागर ने कहा है कि दादरी विकासखंड के जारचा गांव में प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत 1355.99 लाख (लगभग 13 करोड़ 56 लाख) की लागत से बनने वाले राजकीय महाविद्यालय के निर्माण के लिए तत्कालीन जिलाधिकारी ने 29 जून 2019 को एक प्रस्ताव शासन स्तर पर मुख्य सचिव को भेजा था। 1 जुलाई 2019 को सम्पन्न हुई राज्य स्तरीय समिति की बैठक में इस परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर दी गई। विधायक के अनुसार राज्य स्तरीय समिति की संस्तुति के आधार पर भारत सरकार के अल्पसंख्यक मंत्रालय की 10 अक्टूबर 2019 को सम्पन्न हुई 19वीं इम्पावर्ड कमेटी की बैठक में इस परियोजना के निर्माण के लिए स्वीकृति

प्रदान करते हुए 1076.66 लाख (10 करोड़, 76 लाख, 66 हजार रूपये की धनराशि को स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई। मंत्रालय द्वारा 22 मार्च 2023 को परियोजना के लिए 269.665 लाख (2 करोड़, 69 लाख 66 हजार, 5 सौ) की प्रथम किस्त कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ के पक्ष में जारी भी कर दी गई। विधायक द्वारा की गई शिकायत में कहा गया है कि एक वर्ष बीत जाने के बाद भी कार्यदायी संस्था द्वारा अभी तक मौके पर निर्माण कार्य को जारी नहीं किया जा सका है। उन्होंने मांग करते हुए कहा है कि संबंधित अधिकारियों के उपेक्षापूर्ण और शिथिल के उपेक्षापूर्ण और शिक्षिल कार्यप्रणाली के कारण एक अति महत्वपूर्ण परियोजना का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। अतः जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए इस परियोजना के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द शुरू कराया जाए। विधायक ने बताया कि मुख्यमंत्री ने मामले में गंभीरता दिखाते हुए परियोजना पर जल्द काम शुरू करने का आश्वासन दिया है। वहीं, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की भी बात कही है।

दादरी विधायक तेजपाल सिंह नागर ने ग्रेटर नोएडा के अधिकारियों की उदासीनता और धंधली की शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कल लखनऊ में मिलकर की है। उन्होंने कहा है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को विकास कार्यों से संबंधित सौंपे गए प्रस्तावों पर की गई कार्रवाई की जानकारी नहीं दी जा रही है। उन्होंने बिशनूली गांव का जिक्र करते हुए अपनी शिकायत में कहा है कि साल 2017 से साल 2022 तक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने कौन कौन से विकास कार्य किए है और कौन कौन से अभी शेष हैं, इनकी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। वहीं, साल 2022 से साल 2027 के बीच भी इस गांव में प्राधिकरण ने सौंपे गए प्रस्तावों की प्रगति के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। यदि विकास कार्य अभी शेष हैं तो की कब तक इन्हें पूर्ण करा दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त विधायक ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से संबंधित एक गंभीर मामले पर भी मुख्यमंत्री से शिकायत की है। शिकायत में कहा गया है कि ग्रेटर नोएडा द्वारा साल 2023-24 में सक्रिल 2 और 3 वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान निकाली गई निविदाओं में भारी भ्रष्टाचार एवं मिलीभगत करके मनचाही फर्म को टेंडर जारी कर दिए गए हैं। स्वच्छ टेंडर प्रक्रिया के दौरान प्रतिभाग करने वाली कंपनियों के द्वारा 30 प्रतिशत ब्लों पर कार्य करने के लिए टेंडर डाले गए, जिन्हें टेंडर प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया। लेकिन उच्च मूल्य पर टेंडर डालने वाली कंपनियों अथवा फर्मों को टेंडर जारी कर दिए गए। विधायक का शिकायत में आरोप लगाया कि यह सब पूर्व से तय था।

विधायक ने मुख्यमंत्री के सामने ग्रेटर नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्थित बहुमंजिला इमारतों में बिल्डरों की मनमानी के कारण बिजली आपूर्ति को लेकर फ्लेट स्वामियों को हो रही परेशानियों को भी उठाया है। उन्होंने कहा कि विद्युत आपूर्ति कंपनी एनपीसीएल की ओर से बहुमंजिला इमारातों को स्वीकृति लोड से कई गुना आपूर्ति की जा रही है। लेकिन बिल्डर्स के पास आपूर्ति के अनुरूप इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध नहीं है। ऐसे में बहुमंजिला इमारतों में लगातार विद्युत आपूर्ति बाधित हो रही है। बिल्डर्स फ्लैट स्वमियों के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं। उन्होंने दोषी बिल्डरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए फ्लैट स्वामियों को राहत दिए जाने की मांग की है।

हादसे में जान गवाने वाले लाइनमैन के परिवार से मिले सपाई

दादरी (चेतना मंच)। विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते हुए हादसे में हुई संविदा कर्मी लाइनमैन यूनुस की मृत्यु के मामले में बुधवार को समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल ने जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी के नेतृत्व में पीड़ित परिजनों मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की।

इस दौरान उन्होंने दादरी उपजिलाधिकारी एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों से भी मुलाकात की और पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक मददकरने की मांग की। जिस पर अधिकारियो द्वारा पीड़ित परिवार की शीघ्र ही उचित मदद करने का आश्वासन दिया गया है। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष भाटी ने कहा कि विद्युत विभाग की लापरवाही से हादसे में जान गंवाने वाले नवयुवक लाइनमैन की मृत्यु काफी दुखद है।

समाजवादी पार्टी इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और इस दुर्घटना के जिम्मेदार विद्युत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा पीड़ित परिवार की उचित आर्थिक मदद करने की मांग करती है। यदि इस मामले में पीड़ित परिवार की शीघ्र मदद नहीं हुई तो समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करेगी।

इस मौके पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी, नवीन भाटी, अकबर खान, अनीश अहमद, हारुन सैफी, अतुल प्रधान, प्रमोद कुमार, सुमित भारती, नसरुद्दीन मलिक आदि मौजूद रहे।

शहदरा में 26 को होगी भाकियू (बलराज) की महापंचायत

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-142 स्थित शाहदरा गांव में चल रहे भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के धरना स्थल पर आगामी 26 जून को महापंचायत कर केंद्रीय रक्षा मंत्री का घेराव करने का किसानों ने ऐलान किया है। यह ऐलान कल सेक्टर 29 स्थित प्रेस क्लब में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी एवं प्रदेश अध्यक्ष हातिम सिंह भाटी ने किया है। बलराज भाटी ने कहा कि 26 जून को शाहदरा गांव में चल रहे धरना स्थल पर ही महापंचायत का आयोजन होगा। उसके बाद वहीं से सारे किसान ट्रैक्टर एवं अन्य संसाधनों से दिल्ली के लिए कुछ करेंगे दिल्ली जाकर केंद्रीय रक्षा मंत्री का घेराव किया जाएगा। इस अवसर पर भाकियू बलराज के

महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा शिवाल ने कहा कि किसानों के साथ नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी अन्याय करने पर उतारू है। इस अवसर पर बलराज के प्रदेश अध्यक्ष हातिमम भाटी ने कहा कि अब नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ आर पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि बार-बार आश्वासन के बाद भी नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी हमारा हक देने को तैयार नहीं है। इस अवसर पर उधम भाटी रामवीर भट्टी सहित काफी संख्या में किसान पत्रकार वार्ता में मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन बलराज संगठन के बैनर तले अनिश्चित कालीन धरना सेक्टर-142 नोएडा शहदरा गांव में 126वे दिन भी जारी रहा

भाजपा की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा की एक बैठक ज़िला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर आगामी संगठन के कार्यों को लेकर आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता ज़िला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने की बैठक का संचालन जिला महामंत्री योगेश चौधरी धर्मेन्द्र कोरी ने किया जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने बैठक में बताया कि 21 जून को योगदिवस पर प्रत्येक मंडल पर योग कार्यक्रम आयोजित कर मनाया जायेगा।

योग दिवस कार्यक्रम के लिये जिला संयोजक योगेश चौधरी सह संयोजक गुरुदेव भाटी जितेन्द्र भाटी को ज़िम्मेदारी दी गई और 23 जून को डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्ज़ी की पुण्यतिथि प्रत्येक बूथ पर गोष्टी के साथ आयोजन किये जाएँगे। कार्यक्रम जिला संयोजक धर्मेन्द्र कोरी सह संयोजक सत्यपाल शर्मा अमित पंडित और 23 जून से ही वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करके भाजपा कार्यकर्ता गाँव शहर के प्रत्येक बूथ पर

वृक्षारोपण का कार्यक्रम कर ज़्यादा से ज़्यादा वृक्षारोपण के कार्यक्रम में लगेंगे वृक्षारोपण के लिए जिला संयोजक पवन नागर सह संयोजक पवन रावल विकास राणा को ज़िम्मेदारी दी गई है और तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सभी कार्यकर्ता आमजन के साथ आगामी 30 जून को प्रत्येक बूथ पर मन की बात कार्यक्रम सुना जायेगा। मन की बात कार्यक्रम के ज़िला संयोजक मनोज गर्ग बैठक में मुख्यरूप से जिला महामंत्री योगेश चौधरी मनोज गर्ग धर्मेन्द्र कोरी दीपक भारद्वाज मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य जिला उपाध्यक्ष पवन रावल पवन नागर जिला मंत्री सत्यपाल शर्मा गुरुदेव भाटी अमित शर्मा मनीष भाटी जितेन्द्र भाटी विकास राणा आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

बिहार में बढ़ाया...

पटना हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार दिया है। यानी अब शिक्षण संस्थानों व सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग को 65 आरक्षण नहीं मिलेगा। 50 प्रतिशत आरक्षण वाली पुरानी व्यवस्था ही लागू हो जाएगी।

ऐतिहासिक नलगढा...

19 सितंबर 2014 को हुए इन प्लाटों के बैनामे में रमेश पंवार गवाह था। विवेक कुमार बंसल के मुताबिक विक्रम सरीन ने धोखाधड़ी कर उसके प्लॉटों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर लिए और रमेश पंवार के साथ षड्यंत्र करके पूनम यादव, मोहम्मद उमर फारूक को यह प्लॉट वर्ष-2015 में बेच दिए। पूनम यादव व मोहम्मद उमर फारूक को किए गए बैनामें में भी रमेश पंवार गवाह बना। पीड़ित के मुताबिक विक्रम सरीन द्वारा उसकी कंपनी को बेचा गया प्लॉट भी उसने रमेश पवार के साथ षड्यंत्र करके अनामिका भारती को बेच दिया।

इस बैनामे में में भी रमेश पंवार गवाह बना हुआ है। उसने जब इस बारे में विक्रम सरीन और रमेश पंवार से बात की तो आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित के मुताबिक वह कई बार आरोपियों के खिलाफ थाना सेक्टर 142 में रिपोर्ट लिखने पहुंचा लेकिन वहां उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने न्यायालय में याचिका दायर कर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने जाने की गुहार लगाई। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में विक्रम सरीन व रमेश पंवार के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है यह मामला न्यायालय के आदेश पर दर्ज हुआ है पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा...

जांच शुरू होते ही विनीत आर्य अमेरीका चला गया था और अभी तक वापस नहीं लौटा है. यूपी पुलिस ने परीक्षा कराने की जिम्मेदारी गुजरात की प्राइवेट कंपनी एजुटेस्ट को दी गई थी। अब उसे ब्लैक लिस्ट कर दिया गया लेकिन उसका मालिक विनीत आर्य विदेश भाग गया है।

क्रिकेट ग्राउंड में...

जानकारी दी गई प्रारंभिक जांच में पता चला कि अमन पिछले कुछ दिनों से परेशान चल रहा था। पारिवारिक परेशानी के चलते वह डिप्रेशन में था पुलिस शासन का जाता रही है कि परेशानी के कारण ही अमन ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। पुलिस का कहना है कि अमन के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

दो साल से पुलिस ...

पुलिस ने जाल बिछाया और चूहे की घेराबंदी शुरू कर दी जैसे ही चूहा उर्फ प्रकाश अपनी मोटरसाइकिल से सेक्टर-113 के पास पहुंचा तो पुलिस से खुद को घिरा देख पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग शुरू कर दी। पैर में गोली लगने से चूहा उर्फ प्रकाश गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे अस्पताल में इलाज चल रहा है।

एडिशनल डीसीपी ने बताया कि गाजियाबाद का रहने वाला चूहा उर्फ प्रकाश नोएडा के कई लूट जैसी संगीन अपराधों में वांछित चल रहा था। जिसकी नोएडा पुलिस को 2 साल से तलाश थी।

प्रधान के बेटों की...

में घुस आए और मारपीट करने लगे। इस दौरान गफ्फार ने डंडे से उसके सिर पर वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। उसने इस पूरे वाक्य की वीडियो बनाने की कोशिश की तो आरोपी उसके मोबाइल फोन को भी छीन कर अपने साथ ले गए। जाते-जाते आरोपी अंजाम भुगतने की धमकी देकर गए। आरोपियों के जाने के बाद घायल फिरोज को परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित की शिकायत पर चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

9 लोगों की...

और इसके बाद वह बाहर नहीं निकला। शाम के समय पड़ोसियों ने जब दरवाजा खटखटा है तो वह अंदर से बंद था इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई मौके पर पहुंची पुलिस को सुनील कुमार मृत पड़ा हुआ मिला। इसी थाना क्षेत्र के संतोष नगर तिलपता गांव में चाय की दुकान के बाहर दिनेश मिश्रा पुत्र लक्ष्मी मिश्रा मृत अवस्था में पड़ा हुआ मिला।

तिलपता कंटेनर डिपो के पास लाइन में लगे चालक की मौत हो गई। देर रात चालक ने अपना ट्रक कंटेनर डिपो के बाहर लाइन में लगाया था। आज सुबह जब दूसरे ड्राइवर ने ट्रक आगे बढ़ाने के लिए कहा तो उन्हें चालक मृत पड़ा हुआ मिला। मृतक की पहचान नितेश कुमार पुत्र जोशी प्रसाद के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के चोटपुर कॉलोनी में रहने वाले महेंद्र कुमार पुत्र चरित्र प्रजापति को कमजोरी में चक्कर आने की शिकायत पर परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। इसी थाना क्षेत्र के गांव में चाय की दुकान के पास एक व्यक्ति को बेहोश पड़ा देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उक्त व्यक्ति को सरकारी अस्पताल पहुंचा है जहां चिकित्सकों से मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान पुरुषोत्तम कुमार के रूप में हुई है। थाना फेस-1 क्षेत्र के सेक्टर-8 में एक व्यक्ति सड़क किनारे मृत अवस्था में पड़ा हुआ मिला। मृतक की पहचान सुनील कुमार पुत्र बाबू नारायण निवासी बिहार के रूप में हुई है। इसी थाना क्षेत्र में राजीव पाठक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। थाना जारचा क्षेत्र के एनटीपीसी में ड्राइवर के रूप में कार्यरत जयपुर राजस्थान निवासी सुरेंद्र सिंह पुत्र हनुमान सिंह की तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। आशंका जताई जा रही है कि गर्मी की वजह से सुरेंद्र सिंह की मौत हुई है। वहीं थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र में ककोड़ बुलंदशहर निवासी राकेश पुत्र हरमन की मौत हो गई आशंका जताई जा रही है कि हीट वेव की चपेट में आने की वजह से इन लोगों की मौत हुई है। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

डीसीपी से लगाई गुहार तब दर्ज हुई चोरी की रिपोर्ट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा गौर सिटी स्थित मॉल के पास हल्दीराम से आर्डर लेने के लिए आए जोमैटो के डिलीवरी बॉय की बाइक पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। 11 दिन पूर्व हुई चोरी की इस घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पीड़ित को आला अधिकारियों से गुहार लगानी पड़ी। डीसीपी सेंट्रल के निर्देश के बाद थाना बिसरख में चोरी का मामला दर्ज किया गया। अकबरपुर बहरामपुर निवासी रविंद्र कुमार मिश्रा ने पुलिस से की शिकायत में बताएं कि वह जोमैटो में डिलीवरी बॉय का काम करता है। 9 जून को वह गौर सिटी मॉल के पास हल्दीराम से आर्डर लेने के लिए गया था। उसने अपनी बाइक हल्दीराम के बाहर खड़ी कर दी कुछ देर बाद जब वह आर्डर लेकर बाहर आया तो उसकी बाइक गायब थी। उसने अपनी बाइक की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। रविंद्र के मुताबिक उसने इसकी सूचना तुरंत डायल-112 पर कॉल कर पुलिस को दी इसके बावजूद भी कोई पुलिसकर्मी मौके पर नहीं पहुंचा। पुलिसकर्मियों के न पहुंचने पर उसने नजदीकी चौकी पर अपनी बाइक चोरी होने की सूचना दी। पीड़ित का आरोप है कि चौकी पर तैनात एसआई विपिन कुमार ने उसे यह कहकर भेज दिया कि पहले हम जांच कर लें उसके बाद ही रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। इसके बाद वह पुलिस चौकी के चक्कर लगाता रहा लेकिन उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। रिपोर्ट दर्ज न होने पर पीड़ित ने डीसीपी सेंट्रल के यहां रिपोर्ट दर्ज किए जाने की गुहार लगाई। डीसीपी सेंट्रल के निर्देश के बाद थाना बिसरख में चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया है।

फोन पर दी गालियां, फिर लाठी-डंडों से बोला हमला

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के पारस मॉल के पास दबंगों ने एक युवक व उसके चाचा की जमकर पिटाई की। आप आई पिछले कुछ दिनों से युवक को फोन कर लगातार गालियां दे रहे थे इस संबंध में पीड़ित ने आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम असगरपुर निवासी संचित चौहान ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह 18 जून को केदारनाथ धाम से अपने घर लौट रहा था। इस दौरान उसके साथ पढ़े शाहपुर गांव निवासी अश्वनी चौहान की कॉल उसके फोन पर आई। अश्वनी चौहान ने उससे कहा कि वह उसके बारे में गलत अफवाह फैला रहा है। उसने जब इस बात से इनकार किया तो अश्वनी चौहान ने गाली गलौज शुरू कर दी जिस पर उसने फोन काट दिया। इसके बाद भी अश्वनी चौहान व उसके दोस्तों की कॉल लगातार उसके फोन पर आती रही। केदारनाथ धाम से वापस आने के बाद वह अपने घर जाकर सो गया कुछ समय बाद जब वह सो कर उठा तो उसके मोबाइल फोन पर अश्वनी चौहान व उसके दोस्तों की ढेर सारी कॉल आई हुई थी।

संचित चौहान के मुताबिक उसने अपने चाचा रविंद्र चौहान को सारी बातें बताईं उसके बाद वह अपने चाचा रविंद्र चौहान अंकित व निखिल चौहान के साथ पारस माल पहुंचा यहां अश्वनी चौहान व उसके साथी पहले से ही मौजूद थे। अश्वनी चौहान से बात कर उसकी गलतफहमी दूर की गई।

इस दौरान एक स्विफ्ट कार में सवार होकर आए अश्वनी चौहान के दोस्तों ने उसे पर तथा उसके चाचा पर लाठी डंडों से हमला बोल दिया। मारपीट होती देखकर आस पड़ोस के लोग इकट्ठा हो गए इसके बाद आरोपी पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

संचित चौहान की शिकायत पर पुलिस ने अश्वनी चौहान, राजा ठाकुर, सूर्य नितिन, अतुल चौहान, अंकित यादव, अंकित राणा के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

कंपनी छोड़ी और साथ ले गया लैपटॉप व मोबाइल

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-142 में एक कंस्ट्रक्शन कंपनी के जनरल मैनेजर ने अपने कर्मचारियों के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कराया है। मैनेजर के मुताबिक उनके कर्मचारी बिना बताए कंपनी छोड़कर चला गया और कंपनी का लैपटॉप का मोबाइल साथ ले गया। आम्रपाली विलेज इंदिरापुरम गाजियाबाद में रहने वाले विवेक दीक्षित ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह सेक्टर-90 नोएडा स्थित परमेश कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड भूटानी इंफ्रा में जनरल मैनेजर के पद पर कार्यरत है उनकी कंपनी में मधुबन एंक्लेव खेड़ा धर्मपुर छपरौला निवासी संगम नारायण शुक्ला बतौर ट्रैवलर एजेंट के पद पर कार्य कर रहा था। कुछ दिनों पूर्व संगम नारायण शुक्ला बिना बताए कंपनी को छोड़कर चला गया उसके जाने के बाद पता चला कि वह कंपनी का लैपटॉप व मोबाइल फोन को अपने साथ ले गया है। जनरल मैनेजर के मुताबिक कई बार संगम नारायण शुक्ला को कंपनी का लैपटॉप में मोबाइल फोन वापस करने के लिए कॉल किया गया लेकिन उसने फोन नहीं उठाया।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं.
No. SrDEE-TRD-BSB-2024-25-T09
दिनांक 19.06.2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली" ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नामः** पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में मैरवा स्टेशन पर SOD का infringement हटाना और छपरा ग्रामीण और छपरा कचहरी आइसोलेटर के प्रावधान के संबंध में 25 KV OHE संसोधन कार्य; **टेंडर रिफरेंश नं.:** SrDEE-TRD-BSB-2024-25-T09; **कार्य का अनुमानित लागत (₹ में):** ₹1,52,81,278.15; **धरोहर राशि (₹ में):** ₹2,26,400/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹ में):** शून्य ; **निविदा बन्द होने की तिथि एवं समयः** 11.07.2024 को 14:45 बजे तक; **कार्य पूरा करने की अवधिः** 9 माह; • खुली ई-निविदा दिनांक 11.07.2024 को 14:45 बजे तक जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी
मुजाधि/विद्युत-67 वाराणसी

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

इंफोसिस का कर्मचारियों के लिए अनोखा ऑफर, शहर बदलने पर कंपनी देगी 8 लाख

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस ने अपने कर्मचारियों के लिए एक अनोखा ऑफर पेश किया है। कंपनी अपने कर्मचारियों को शहर बदलने के लिए 8 लाख रुपए तक ऑफर कर रही है। हालांकि यह ऑफर इंफोसिस के सभी कर्मचारियों के लिए नहीं है। इंफोसिस के वैसे कर्मचारी इस ऑफर का लाभ उठा सकते हैं, जो बैंड-2 में या उससे ऊपर के बैंड में हैं। इंफोसिस का यह ऑफर देश भर में स्थित कंपनी के किसी भी डेवलपमेंट सेंटर में काम कर रहे उन कर्मचारियों के लिए है, जो प्रोजेक्ट डिलीवरी को हैंडल कर रहे हैं। ऑफर का लाभ उठाने के लिए पात्र कर्मचारी को कर्नाटक के हुबली शहर में शिफ्ट होना पड़ेगा और कम से कम 2 साल यहां से काम करेंगे। इसके लिए कंपनी 8 लाख रुपए तक का भुगतान करेगी। दरअसल देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी ने बड़े शहरों की जगह छोटे शहरों को हब बनाने की रणनीति तैयार की है। इसके तहत इंदौर, नवी मुंबई, नागपुर, कोयम्बटूर, हुबली जैसे कई टिअर-2 शहरों में ऑफिस खोले गए हैं। इंफोसिस कर्नाटक के हुबली शहर में अपनी उपस्थिति को मजबूत बनाना चाह रही है। इसी कारण उसने हुबली में ट्रांसफर कराने वाले कर्मचारियों के लिए ये ऑफर तैयार किया है। इंफोसिस की ट्रांसफर पॉलिसी के अनुसार, बैंड-3 या उससे नीचे के बैंड में काम कर रहे कर्मचारियों को शिफ्ट होने पर शुरुआत में 25 हजार रुपए का रिलोकेशन अलाउंस मिलेगा। उसके बाद उन्हें 2 साल तक हर छह महीने पर 25-25 हजार रुपए मिलेंगे।

पारंपरिक तरीकों से अलग रोबोटिक प्रक्रिया, 98 प्रतिशत रोगियों में अब तक मिली सफलता

नई दिल्ली। चिकित्सा क्षेत्र में रोबोटिक तकनीक ने कई बड़े क्रांतिकारी बदलाव किए हैं दिल्ली में इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल में रोबोटिक कार्डियक सर्जरी से मरीजों की सबसे तेज और बेहतर रिकवरी हो रही है स्थिति यह है कि पारंपरिक तरीकों से अलग इस प्रक्रिया के जरिए अब तक 98 फीसदी रोगियों में सफलता हासिल हुई है यह जानकारी नई दिल्ली स्थित इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के प्रसिद्ध कार्डियक सर्जन डॉ. एमएम यूसुफ और डॉ. वरुण बंसल ने एक सम्मेलन के दौरान साझा की। मरीजों को उन्नत उपचार विकल्प प्रदान करने वाली अपनी राष्ट्व्यापी पहल पर आगे बढ़ते हुए अपोलो अस्पताल का यह कार्यक्रम रोबोटिक हार्ट सर्जरी और रोबोटिक कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग को अपनाने पर केंद्रित रहा। अपोलो अस्पताल के रोबोटिक्स और मिनिमली इनवेसिव हार्ट सर्जरी विभाग के वरिष्ठ सलाहकार एवं हृदय विशेषज्ञ डॉ. एमएम यूसुफ ने कहा हृदय देखभाल में रोबोटिक कार्डियक सर्जरी एक परिवर्तनकारी प्रगति का प्रतीक है। इस अत्याधुनिक रोबोटिक प्रौद्योगिकी से हम बेहद सटीक और कम जोखिम भरी प्रक्रियाएं करने में सक्षम हैं जो मरीज के लिए जटिलताओं को काफी कम कर देती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह तकनीक इलाज के साथ यह तकनीक हमारे मरीजों को त्वरित गतिशीलता प्रदान करती है। इसके अलावा, घाव के निशान कम होते हैं और मरीज तेजी से अपने सामान्य जीवन में वापस लौटने लगता है। डॉ. यूसुफ ने बताया कि रोबोटिक तकनीक का एकीकरण न केवल सर्जरी की सटीकता को बढ़ाता है बल्कि मरीजों और उनके परिवार पर शारीरिक और भावनात्मक बोझ भी कम करता है।

टैक्स में कटौती, रोजगार और रिफॉर्म पर रहेगा फोकस, ऐसा हो सकता है इस बार सरकार का बजट

नई दिल्ली, एजेंसी। नई सरकार का गठन हो चुका है, एनडीए के गठबंधन से एक बार फिर नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बन गए हैं। पिछली सरकार ने 1 फरवरी को देश का अंतरिम बजट पेश किया था, अब जब नई सरकार बन चुकी है तो जल्द ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पूर्ण बजट भी पेश करेंगी। इस बजट से आम जनता से लेकर टैक्सपेयर्स और नौकरीपेशा लोगो को कई उम्मीदें हैं।

अगले महीने पेश होने वाले बजट को लेकर सलाह मशविरा का दौर शुरू हो गया है लेकिन अब तक जो संकेत मिल रहे हैं उसके मुताबिक इस बार के बजट में बीजेपी मेनिफेस्टो और चुनावी नतीजे की छाप दिख सकती है। इन सबमें भी सबसे ज्यादा फोकस रोजगार देने, रिफॉर्म, टैक्सपेयर्स और मिडल क्लास पर हो सकता है।

ऐसा हो सकता है बजट

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पूर्ण बजट में सबसे ज्यादा फोकस जिन केटेगरी पर रहने वाला है उनमें मिडल क्लास हो सकता है। मिडल क्लास को राहत देने का सबसे सीधा रास्ता होता है इनकम टैक्स में राहत देना। हालांकि अब तक सरकार का रुख रहा है कि न्यू टैक्स रीजीम मीडिल क्लास को राहत देने वाली है लेकिन नीति निर्धारकों के बीच एक वर्ग है जो मानता है कि इनकम टैक्स के मोर्चे पर इससे कहीं ज्यादा किए जाने की जरूरत है। इससे कंजप्शन ग्रोथ में गिरावट आई है उसे भी बढ़ाया जा सकता है। इसी तरह होम लोन पर सब्सिडी मुहैया कराना भी एक अच्छा विकल्प माना जाता है। इससे ना सिर्फ आम लोगों को सस्ते में घर मिल जाएगा बल्कि रीयल एस्टेट और उससे जुड़े सेक्टर को भी बूस्ट मिलेगा।

गौरतलब है कि भाजपा ने अपने मेनिफेस्टो में मिडल क्लास के लिए घर के निर्माण की लागत को कम करना, पंजीकरण की कीमत को करना जैसे वादे भी किए हैं। ऐसे में में सरकार इस पर अपना फोकस बढ़ा सकती है।

सूत्रों के मुताबिक, बजट में सालाना 15 लाख रुपए कमाने वाले व्यक्तियों को आयकर में राहत मिलने की उम्मीद है। मौजूदा समय में इनकम टैक्स स्लैब में 15 लाख रुपए तक की सालाना कमाई पर 5 से 20 प्रतिशत तक टैक्स चुकाना पड़ रहा है। इसी तरह 15 लाख से अधिक कमाई पर 30 फीसदी की दर से टैक्स चुकाना पड़ता है।

रोजगार पर फोकस

बजट का जिन मुद्दों पर फोकस रहने वाला है उनमें से एक हो सकता है रोजगार। इसके लिए मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देने पर जोर रहने वाला है। वहीं प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम की सफलता से सरकार काफी उत्साहित दिख रही है। सूत्रों के मुताबिक इस PLI स्कीम का दायरा बढ़ाते हुए कुछ नए सेक्टर को भी इसमें शामिल किया जा सकता है। मसलन, खिलौना, फर्नीचर जैसे प्रोडक्ट शामिल हो सकते हैं। रोजगार बढ़ाने के लिए टूरिज्म जैसे सर्विस सेक्टर और छोटे और मझौले शहरों में स्टार्टअप को बढ़ावा देने पर फोकस हो सकता है। शैक्षणिक और व्यावहारिक स्किल को जोड़ने के लिए एक इंटर्नशिप कार्यक्रम की भी शुरुआत हो सकती है।

सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड ने हांगकांग में एक नई पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडरी को शामिल करके अपने ओवरसीज़ ऑपरेशंस का विस्तार किया

नई दिल्ली , एजेंसी। सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड (एनएसई इमर्जः), भारत के डायनामिक इलेक्ट्रॉनिक्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल गुड्स मार्केट में तेजी से बढ़ती लीडिंग कंपनी, गर्व से हांगकांग में अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी की स्थापना की घोषणा करती है, जिसका नाम सेलेकोर गैजेट्स एचके लिमिटेड है। यह स्ट्रेटिजिक इनिशिएटिव, ग्रोथ के लिए कंपनी की घोषित ब्लू प्रिंट के अनुसार, अपनी सप्लाई चेन क्षमताओं को बढ़ाने और जो भी उपलब्ध अवसर हैं, उनका लाभ उठाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

हांगकांग में स्ट्रेटिजिकली स्थित, जिसे एशिया के इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री के प्रवेश द्वार के रूप में जाना जाता है, नई सहायक कंपनी सेलेकोर गैजेट्स की महत्वपूर्ण कंपोनेंट्स और ऑपरेशनल गतिविधियों की खरीद के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में काम करेगी, साथ ही हांगकांग के मज़बूत लॉजिस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर और बिज़नेस-फ्रेंडली एनवायरनमेंट के साथ, कंपनी का लक्ष्य अपनी सप्लाई चेन क्षमताओं को और अधिक ऑप्टिमाइज़ करना तथा अपने ग्राहकों को इनोवेटिव, हाई-क्वॉलिटी वाले लागत-संपूर्ण प्रोडक्ट्स देने में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त को मज़बूत करना है।

सेलेकोर गैजेट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री रवि अग्रवाल ने कहा कि, हम हांगकांग में अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी स्थापित करने के लिए उत्साहित हैं, एक ऐसा कदम जो इलेक्ट्रॉनिक्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल गुड्स के मार्केट की बढ़ती मांगों को पूरा करने की हमारी क्षमता को बढ़ाता है।

यह विस्तार हमें प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं और भागीदारों के करीब रखता है, ऑपरेशनल एक्सीलेंस और कस्टमर सेटिस्फेक्शन के प्रति हमारे कमिटमेंट को मज़बूत करता है।

हांगकांग की स्ट्रेटिजिक लोकेशन और स्थापित सप्लायर नेटवर्क सेलेकोर गैजेट्स के ऑपरेशंस को सुव्यवस्थित करने, लीड टाइम को कम करने और बाज़ार के रुझानों पर तेजी से प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाएगा। सहायक कंपनी रीज़नल डिस्ट्रीब्यूटर्स के साथ घनिष्ठ सहयोग को बढ़ावा देगी, विकास के अवसरों को बढ़ाएगी और प्रमुख कन्सम्प्शन सेंटर्स में सीमलेस मार्केट प्रवेश की सुविधा प्रदान करेगी।

जैसा कि सेलेकोर गैजेट्स अपने उत्पाद की पेशकशों में इन्नोवेशन और विस्तार करना जारी रखता है, हांगकांग की सहायक कंपनी की स्थापना इलेक्ट्रॉनिक उपभोक्ता टिकाऊ उद्योग में टेक्नलाजिकल एडवांसमेंट और सस्टेनेबिलिटी लाने के लिए हमारे समर्पण की पुष्टि करती है। इससे पहले कंपनी ने अपने महत्वाकांक्षी सेल्स माइलस्टोन की ओर कंपनी को आगे बढ़ाने के लिए अपने स्ट्रेटिजिक ब्लूप्रिंट को प्रकट किया। यह व्यापक योजना विकास को गति देने और मार्केट लीडरशिप तय करने के लिए ऑपरेशंस और मार्केटिंग के विभिन्न पहलुओं को शामिल करती है। कंपनी छह बिज़नेस स्ट्रेटिजीज़ पर खासा फोकस कर रही है। सबसे पहले, मैन्युफैक्चरिंग व्यवस्थाओं को मज़बूत करना जिसमें कुशल प्रोडक्शन प्रॉसेस, सतत प्रोडक्ट क्वॉलिटी और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटीज़ के साथ स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप या एग्रीमेंट बनाना शामिल है। इसमें कुछ मैन्युफैक्चरिंग टास्क को आउटसोर्स करना, ऑटोमेशन और टेक्नोलॉजी में निवेश करना, क्वॉलिटी कंट्रोल प्रोटोकॉल लागू करना और सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस को प्रोत्साहित करना शामिल है। दूसरी स्ट्रेटजी प्रभावी इन्वेंट्री मैनेजमेंट को शामिल करती है जो कैरीइंग कॉस्ट (वहन लागत) को कम करने, स्टॉक आउट को कम करने और सारी ऑपरेशनल इफिशन्सी में सुधार के लिए महत्वपूर्ण है।

एनवीडिया, माइक्रोसॉफ्ट, ऐपल, टेस्ला ऐमजॉन से ज्यादा सैलरी देती है फेसबुक

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है। मार्केट कैप के लिहाज से दुनिया की टॉप 10 कंपनियों में से आठ अमेरिका की हैं। मैग्नीफिशिएंट 7 में मेटा, गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट, एनवीडिया, माइक्रोसॉफ्ट, ऐपल, टेस्ला और ऐमजॉन शामिल हैं। इन कंपनियां का मार्केट कैप करीब 15 ट्रिलियन डॉलर है जो अमेरिका की कुल जीडीपी का करीब आधा है। इनमें से तीन कंपनियों एनवीडिया, माइक्रोसॉफ्ट और ऐपल का मार्केट कैप तीन ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। अमेरिका में औसतन सालाना सैलरी 60 हजार डॉलर है। लेकिन मैग्नीफिशिएंट 7 में शामिल कंपनियों में अधिकांश कंपनियों के कर्मचारियों की औसतन सालाना सैलरी नेशनल एवरेज से अधिक है। आइए जानते हैं कि इन कंपनियों के स्टाफ को सालाना औसतन कितनी सैलरी मिलती है। पिछले साल मीडियन एम्प्लॉयी पे के हिसाब से देखें तो इसमें फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स सबसे आगे है। मार्क जकरबर्ग की अगुवाई वाली इस कंपनी में कर्मचारियों की सालाना औसतन सैलरी 379 हजार डॉलर है। महीने के हिसाब से देखें तो यह करीब 31.58 हजार डॉलर बैठती है। गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट 316 हजार डॉलर का साथ दूसरे नंबर पर है। एनवीडिया (267 हजार डॉलर) तीसरे, माइक्रोसॉफ्ट (194 हजार डॉलर) चौथे और ऐपल (94 हजार डॉलर) पांचवें नंबर पर है। लेकिन टेस्ला और ऐमजॉन के कर्मचारियों की औसत सैलरी अमेरिका नेशनल एवरेज से कम है। टेस्ला में मीडियन एम्प्लॉयी पे 46 हजार डॉलर और ऐमजॉन में 36 हजार डॉलर है। यानी ऐमजॉन के कर्मचारियों को हर महीने औसतन तीन हजार डॉलर का वेतन मिलता है। जहां तक सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले सीईओ का सवाल है तो इस मामले में ऐपल के सीईओ टिम कुक पहले नंबर पर हैं। आईफोन और आईपैड बनाने वाली इस कंपनी ने पिछले साल अपने सीईओ को 6.3 करोड़ डॉलर का भुगतान किया था। ऐमजॉन के एंडी जैसी को पिछले साल 14 करोड़ डॉलर का वेतन मिला था। टेस्ला के शेयरहोल्डर्स ने अपने सीईओ एलन मस्क के लिए 56 अरब डॉलर का पैकेज मंजूर किया था। लेकिन मस्क को पिछले साल कोई सैलरी नहीं मिली। उन्हें स्टॉक ऑप्शंस के जरिए भुगतान किया जाता है। मस्क टेस्ला समेत कई कंपनियां चलाते हैं। वह 208 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति हैं।

पॉकेट एफएम की ऑडियो सीरीज़ इंस्टा एम्पायर में

मुम्बई, एजेंसी। एक टीवी कपल के तौर पर लोगों में ख़ासी लोकप्रियता रखने वाले निशांत मलकानी और नायरा एम. बैनर्जी ने अपने फ़ैन्स के बीच एक बार फिर से वापसी कर ली है.? इस बार दोनों पॉकेट एफएम की ब्लॉकबस्टर ऑडियो सीरीज़ इंस्टा एम्पायर में अपनी खूबसूरत आवाज़ के ज़रिए लोगों के बीच उपस्थित होने? जा रहे हैं. निशांत और नायरा दोनों को ही टीवी और ओटीटी शोज़ में अभिनय के? लिए खूब सराहा जाता रहा है. अब दोनों की इस अद्भुत केमिस्ट्री को लोग उनकी आवाज़ के ज़रिए महसूस कर सकेंगे. प्रोमो में, नक्ष का किरदार निभा रहे निशांत और अनिका का किरदार निभा रही नायरा अपने रिश्ते को लेकर उलझे हुए नज़र आ रहे हैं। अनिका नक्ष से शर्मिंदा है और उसकी हर कोशिश को नकारती है, जबकि नक्ष लगातार अनिका के लिए अपनी सच्ची चिंता साबित करने की कोशिश करता है। निशांत का संयमित आत्मविश्वास और आकर्षण, उसके शांत और संयमित व्यवहार को दर्शाता है, जबकि नायरा बेबाक और उग्र है। यह जोड़ी निश्चित रूप से बहुचर्चित सीरीज़ में नक्ष और अनिका के रूप में एकदम सही चाक और चीज़ जोड़ी है। ऑन और ऑफ-स्क्रीन दोनों जगह उनकी सहज दोस्ती और बंधन, उनके किरदारों नक्ष और अनिका में जीवंतता भरते हैं, जो कहानी को प्रामाणिकता और गहराई से समृद्ध करते हैं। सीरीज़ में नक्ष का रोल निभा रहे निशांत मलकानी ने अपनी ख़ुशी को ज़ाहिर करते हुए कहा, इंस्टा एम्पायर में नक्ष का रोल निभाना मेरे लिए तमाम तरह के जज़्बाती अनुभवों से गुज़रने के समान रहा ।

भारत में न्यूट्रास्यूटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट में ब्लिस वेलनेस ने बनाई अपनी पहचान

इंदौर, एजेंसी। निरंतर बदलते न्यूट्रास्यूटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट के क्षेत्र में, भारत इनोवेशन में सबसे आगे है, और कई अत्याधुनिक ट्रेंड्स को बढ़ावा दे रहा है जो इस इंडस्ट्री को एक नया आकार दे रहे हैं। पर्सनलाइज्ड न्यूट्रीशन से लेकर फंक्शनल फ़ूड और बायोएक्टिव कंपाउंड्स तक, ऐसे कई लेटेस्ट इनोवेशन हैं जिन्होंने जो न्यूट्रास्यूटिकल सेक्टर में क्रांति ला रही हैं।

हेल्थ और वेलनेस प्रोडक्ट्स के लिए प्रसिद्ध न्यूट्रास्युटिकल ब्रांड ब्लिस वेलनेस की को-फाउंडर हिरनी देसाई के अनुसार, भारत न्यूट्रास्यूटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट में इनोवेशन और विकास के लिए एक प्रमुख केंद्र बन रहा है। जैसे-जैसे उपभोक्ता अपने स्वास्थ्य और भलाई के प्रति अधिक जागरूक होते जा रहे हैं, पर्सनलाइज्ड न्यूट्रीशन, फंक्शनल फ़ूड और बायोएक्टिव कंपाउंड्स की मांग में वृद्धि जारी रहेगी, जो न्यूट्रास्यूटिकल उद्योग को और भी ऊंचाइयों पर ले जाएगी। ब्लिस वेलनेस ने पिछले कुछ सालों में इस नए डेवलपमेंट में काफी काम किया है और बाकी ब्रांड्स के लिए एक प्रेरणा बनकर खड़े हुए हैं।

पर्सनलाइज्ड न्यूट्रीशन पर हिरनी देसाई बताती हैं कि, न्यूट्रास्यूटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट में पर्सनलाइज्ड न्यूट्रीशन को सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है और तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। ग्रैंड व्यू रिसर्च के अनुसार, ग्लोबल पर्सनलाइज्ड न्यूट्रीशन मार्केट 2025 तक .16.4 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है, जिसकी ष्लत्र9.0 प्रतिशत है। टेक्नोलॉजी और डेटा एनालिटिक्स में विकास के साथ, कंपनियां जेनेटिक टेस्टिंग, बायोमार्कर एनालिसिस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एल्गोरिदम का उपयोग करके हर किसी की अपनी जरूरतों के अनुसार न्यूट्रीशन प्लान और सप्लीमेंट को तैयार कर रही हैं। यह पर्सनलाइज्ड अप्रोच न केवल कंज्यूमर सेटिस्फेक्शन को बढ़ाता है बल्कि पोषण संबंधी हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता को भी अधिकतम करता है। ब्लिस वेलनेस कई वर्षों से इस अप्रोच पर काम कर रहा है।

फंक्शनल फ़ूड और बायोएक्टिव कंपाउंड्स पर हिरनी कहती हैं कि, न्यूट्रास्यूटिकल इनोवेशन में फंक्शनल फ़ूड पिछले कुछ सालों में काफी महत्वपूर्ण साबित हुआ है, जिसने भोजन और औषधि के बीच की सीमाओं कम दिया है। रिसर्च एंड मार्केट्स के अनुसार, भारत में फंक्शनल फ़ूड का बाजार 2021 से 2026 तक 10.6 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है, जो बढ़ती जागरूकता और सुविधाजनक न्यूट्रीशनल सॉल्यूशन की मांग से प्रेरित है। भारत में, विटामिन, खनिज, प्रोबायोटिक्स और अन्य बायोएक्टिव कंपाउंड से भरपूर फंक्शनल फ़ूड काफी लोकप्रियता प्राप्त कर रहे हैं क्योंकि उपभोक्ता अपने स्वास्थ्य और भलाई का समर्थन करने के लिए सुविधाजनक और प्रभावी तरीकों की तलाश कर रहे हैं। फोर्टिफाइड पेय पदार्थों से लेकर फंक्शनल स्नैक्स तक, बाजार में उपभोक्ता की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले प्रोडक्ट्स की बाढ़ आ गई है। वहीं दूसरी तरफ पॉलीफेनोल्स, फ्लेवोनोइड्स और ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसे बायोएक्टिव कंपाउंड्स अपने शक्तिशाली स्वास्थ्य वर्धक गुणों के लिए पसंद किए जा रहे हैं। ट्रांसपेरेंसी मार्केट रिसर्च के अनुसार, भारत में बायोएक्टिव कंपाउंड्स का बाजार 2025 तक .1.5 बिलियन से अधिक होने का अनुमान है। भारत में न्यूट्रास्यूटिकल उत्पाद डेवलपर्स इन्फ्लेमेशन, मानसिक स्वास्थ्य और हृदय स्वास्थ्य सहित कई स्वास्थ्य चिंताओं को कम करने वाले सप्लीमेंट्स और फंक्शनल फ़ूड को तैयार करने के लिए इन बायोएक्टिव कंपाउंड्स का उपयोग कर रहे हैं। हल्दी और अश्वगंधा जैसे बायोएक्टिव कंपाउंड्स से समृद्ध पारंपरिक भारतीय औषधियां इन उत्पादों की अपील को और बढ़ाता है।

इटर्निया ने मध्यप्रदेश के भोपाल में खोला नया शोरूम

स्टाइलिश खिड़कियों की पेशकाश कर बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत की

इटर्निया का नया स्टोर रोहित नगर, फेज़ 1 में स्थित है

भोपाल। हिंडाल्को के एक डिविजन, इटर्निया ने आज शहर में अपने नए शोरूम का उद्घाटन किया। इटर्निया भारत का एकमात्र ऐसा ब्राण्ड है जोकि ड्यूरेनियम से बनी खिड़कियां उपलब्ध कराता है। यह एक पेटेंडेड एल्युमिनियम एलॉय है जिसका आविष्कार हिंडाल्को ने किया है। मध्यप्रदेश के भोपाल में स्थित इस एक्सक्लूसिव शोरूम में इटर्निया की प्रीमियम वीवा प्रमाणित खिड़कियां प्रदर्शित की गई हैं जोकि घरों के अंदर आवाज, प्रदूषण, पानी की लीकेज और तूफानी हवाओं को आने से रोकता है। यह स्टोर मुख्य रूप से भोपाल के लोगों को प्रीमियम सिस्टम एल्युमिनियम विंडो समाधान उपलब्ध कराने के लिए खोला गया है। यह नया स्टोर इटर्निया की महत्वाकांक्षी विस्तार योजना का हिस्सा है और इससे देशभर में इसकी उपस्थिति मजबूत होगी। मध्यप्रदेश में यह इटर्निया का दूसरा स्टोर है। इससे पहले अप्रैल महीने में कंपनी इंदौर में अपना पहला स्टोर खोला था। भोपाल में ब्राण्ड का प्रवेश करना बाजार में बढ़ते अवसरों का लाभ उठाने और ग्राहकों की बढ़ती मांगों को पूरा करने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस रिटेल स्टोर में ग्राहकों की जरूरतों और क्लाइंट की पसंद को पूरा करने के लिए उत्पादों की एक विशाल रेंज पेश की गई है। इस स्टोर को खरीदारी का बेहतरीन अनुभव देने के अनुरूप ही तैयार किया गया है। लोग यहां आकर कोई भी उत्पाद खरीदने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी लेकर उससे पूरी तरह अवगत हो सकते हैं। भोपाल में इटर्निया स्टोर का उद्घाटन 18 जून को केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौड़ और विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद आलोक संजर ने किया।

नेहल बाजारी, हेड-मार्केटिंग, इटर्निया, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, आदित्य बिरला ग्रुप का कहना है, इंदौर में हमारे स्टोर को काफी सफलता मिली है, जिसकी वजह से ही हम मध्यप्रदेश में एक और स्टोर खोलने के लिए प्रेरित हुए। टियर-सेकंड शहरों में महानगरीय प्रभाव और लाइफस्टाइल की वजह से लक्ज़री उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसलिए, हमने भोपाल में आने का फैसला किया। इसके साथ ही इटर्निया तेजी से विस्तार कर रहा है और हमारा नया स्टारे हमारी महत्वाकांक्षी सोच से मेल खाता है। हम देश में एल्युमिनियम दरवाजों और खिड़कियों का एक पसंदीदा ब्राण्ड बनना चाहते हैं।''

बादाम की अच्छाइयों के साथ मनाएं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

मुम्बई, एजेंसी। हर साल 21 जून को मनाया जाने वाला योग दिवस, स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती पर योग के व्यापक प्रभाव को बताता है। योग को शामिल करने से उसके शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के महत्व को बताना ही इस दिवस का उद्देश्य है। योग का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने के लिए संतुलित, स्वच्छ और सेहतमंद आहार को बनाए रखना बेहद जरूरी है। आमंड बोर्ड ऑफ कैलिफोर्निया द्वारा हाल ही में कराए गए अध्ययन विटार्ड में यह बात सामने आई है कि वर्कआउट से पहले के लिए भी बादाम एक अच्छा स्नैक है, क्योंकि ये मांसपेशियों की सूजन को दूर करता है और एक्सरसाइज के बाद रिकवरी को तेज करता है। इसलिए, बेहतर परिणाम पाने के लिए वर्क-आउट से पहले वाले स्नैक में बादाम को शामिल करना ना भूलें। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान कहती हैं, मैं काफी लंबे समय से योग कर रही हूं और मैंने सेहत पर इसका काफी अच्छा प्रभाव महसूस किया है। इससे पेट की सेहत बेहतर होती है, इम्युनिटी में सुधार होता है, त्वचा अच्छी हो जाती है और ऐसे ही काफी सारे फायदे नजर आते हैं।

डिंडीगुल फार्म प्रोडक्ट्स लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुम्बई, एजेंसी। डिंडीगुल फार्म प्रोडक्ट लिमिटेड का आईपीओ 20 जून को खुलेगा और 24 जून को बंद होगा। कंपनी 64,50,000 इक्विटी शेयर जारी करेगी, जिसका प्राइस बैंड 10 रुपये अंकित मूल्य पर 51-54 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। डिंडीगुल फार्म प्रोडक्ट लिमिटेड मुख्य रूप से दूध प्रोटीन सांद्रण, स्किम्ड मिल्क पाउडर, डेयरी व्हाइटनर, मट्ठा प्रोटीन सांद्रण, दूध मट्ठा पाउडर, कैसिइन, अनब्रांडेड क्रीम, मक्खन और शिशु दूध फार्मूला के लिए वसा युक्त पाउडर सहित डेयरी सामग्री बनाने के लिए संपूर्ण दूध और स्किम्ड दूध का निर्माण करती है। इस प्रक्रिया में सक्रिय है. कंपनी की प्रसंस्करण सुविधा डिंडीगुल, तमिलनाडु और भारत में स्थित है और 15 एकड़ में फैली हुई है।

कंपनी मुख्य रूप से डेयरी सामग्री के प्रसंस्करण में लगी हुई है। संपूर्ण दूध से स्किम्ड दूध के प्रसंस्करण के अलावा, एक विविध उत्पाद टोकरी भी है। कंपनी 50,000 लीटर दूध सीधे किसानों से और लगभग 30,000-1,00,000 लीटर दूध खुले बाजार या तीसरे पक्ष के आपूर्तिकर्ताओं से खरीदती है। कंपनी ने 150 से अधिक ग्रामीण संग्रह केंद्रों का एक नेटवर्क बनाया है, जिसकी 4000 से अधिक किसानों और 50 से अधिक डेयरी फार्मों तक सीधी पहुंच है। कंपनी के उत्पादों का विपणन इनुट्रिका ब्रांड के तहत किया जाता है। वित्त वर्ष 2022-23 में, कंपनी ने भारत के 15 राज्यों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 3 देशों में उत्पाद बेचे हैं और इसका लक्ष्य अधिक आसियान और यूरोपीय देशों में प्रवेश करके अपने अंतरराष्ट्रीय परिचालन का विस्तार करना है। वित्तीय प्रदर्शन के मोर्चे पर पिछले तीन वित्तीय वर्षों में, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2021 में कुल राजस्व/शुद्ध लाभ/- (हानि) रु. 18.40 करोड़/रु. -(4.62) करोड़, वित्त वर्ष 2022 में रु. 28.45 करोड़/रु. -(4.16) और वित्तीय वर्ष 2023 में रु. 81.99 करोड़/रु. 5.16 करोड़ देखा गया है. 23 दिसंबर, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के 267 दिनों के लिए इसने रु। 5.89 करोड़ शुद्ध लाभ और कुल राजस्व रु. 68.76 करोड़ हासिल किया। पिछले तीन वित्तीय वर्षों में इसका औसत ईपीएस रु. - रु. 0.84, और औसत निवल मूल्य पर रिटर्न (निश्चित नहीं) प्रतिशत। निर्गम मूल्य इसके शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य के 23.58 रुपये के पी/बीवी पर है।

रोहित से भिड़ना तंजीम को पड़ा महंगा, ICC ने ठोका जुर्माना, नियमों के उल्लंघन पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। तंजीम के खिलाफ आचार संहिता के अनुच्छेद 2.12 का उल्लंघन करने के चलते कार्रवाई की गई। इसके तहत किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान खिलाड़ी, सहयोग कर्मा, अंपायर, मैच रैफरी या किसी अन्य व्यक्ति के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क करने पर कार्रवाई की जाती है। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तंजीम हसन साकिब को नेपाल के कप्तान रोहित पॉडेल से भिड़ना महंगा पड़ गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने नियमों का उल्लंघन करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। 16 जून को किंग्सटाउन में बांग्लादेश और नेपाल के बीच खेले गए मैच के दौरान दोनों आमने-सामने आ गए थे।

क्या है मामला?

दरअसल, यह घटना नेपाल की पारी के तीसरे ओवर की है। बांग्लादेश की तरफ से तंजीम हसन साकिब गेंदबाजी कर रहे थे। पहली पांच गेंदों में कोई रन नहीं बना। तंजीम दो विकेट लेकर कहर बरपा रहे थे। ओवर की आखिरी गेंद पर रोहित ने डिफेंस किया। हालांकि, इस पर भी कोई रन नहीं बना। तंजीम नेपाल के कप्तान को घूरने लगे जिसके बाद रोहित भी उनके पास चले गए। दोनों के बीच बहस हुई, जिसके बाद माहौल गर्म होता देख अन्य खिलाड़ियों ने बीच बचाव किया। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें रोहित बांग्लादेशी गेंदबाज को दूर जाने के लिए कहते नजर आए।

आईसीसी ने की कार्रवाई

आईसीसी की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया कि आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने पर तंजीम के खिलाफ कार्रवाई की गई। आईसीसी ने कहा, यह घटना नेपाल की पारी के तीसरे ओवर की समाप्ति के ठीक बाद हुई। तंजीम ने एक गेंद फेंकने के बाद नेपाल के कप्तान रोहित पॉडेल की ओर आक्रामक तरीके से घूरते हुए दिखे। साथ ही अनुचित शारीरिक संपर्क किया करने की कोशिश की।

अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में जुड़ा एक डिमेरिट पॉइंट

तंजीम के खिलाफ आचार संहिता के अनुच्छेद 2.12 का उल्लंघन करने के चलते कार्रवाई की गई। इसके तहत किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान खिलाड़ी, सहयोग कर्मा, अंपायर, मैच रैफरी या किसी अन्य व्यक्ति के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क करने पर कार्रवाई की जाती है। तेज गेंदबाज के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट जोड़ा गया। 24 महीने की अवधि में यह उनका पहला अपराध था।

टिम साऊदी भी हो चुके ढ्ढष्टष्ट की कार्रवाई का शिकार

यह पहला ऐसा मामला नहीं है जब आईसीसी ने किसी खिलाड़ी के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन करने पर कार्रवाई की है। इससे पहले न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी पर वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच के बाद कार्रवाई की गई थी। 18वें ओवर में आउट होने के बाद ड्रेसिंग रूम में वापस जाते समय उन्होंने गुस्से में हैंड सैनिटाइजर डिस्पेंसर तोड़ दिया था। हालांकि, उन पर जुर्माना नहीं लगा था। उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया था।

खास खबर

यूरो 2024

पुर्तगाल ने चेक गणराज्य को हराकर जीत के साथ किया आगाज

लीपजिग, एजेंसी। स्टॉपेज टाइम में सब्स्टीट्यूट फ्रांसिस्को कोंसिकाओ के गोल की मदद से पुर्तगाल ने यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप के मैच में चेक गणराज्य को 2-1 से हराकर जीत के साथ आगाज किया। मैदान पर 90वें मिनट में उतरे कोंसिकाओ ने 92वें मिनट में गोल दागा। चेक गणराज्य के लिए लुकास प्रोवोड ने 62वें मिनट में गोल दागा। इसके आठ मिनट बाद पुर्तगाल के

लिए रानाक ने रिबाउंड पर बराबरी का गोल किया। इससे करीब 24 साल पहले कोंसिकाओ के पिता सर्जियो ने हैट्रिक लगाकर गत चैम्पियन जर्मनी को यूरो 2000 से बाहर किया था।

छह यूरो चैम्पियनशिप खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो कोई गोल नहीं कर सके। वह पुर्तगाल के लिये टूर्नामेंट के इतिहास में 14 गोल कर चुके हैं।

विराट कोहली बने सबसे महंगे सेलिब्रिटी, रणवीर सिंह और शाहरुख खान को पछाड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इस समय भारत में सबसे महंगे सेलिब्रिटी की सूची में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान और रणवीर सिंह को पछाड़ दिया है। कोहली मौजूदा टी20 विश्व कप 2024 में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं, लेकिन इससे उनकी सेलिब्रिटी वैल्यू पर कोई असर नहीं पड़ा है। कंसल्टेंसी फर्म क्रॉल के अनुसार पिछले साल की तुलना में विराट की कुल ब्रांड वैल्यू में करीब 29 फीसदी का इजाफा हुआ है। साल 2023 में कोहली की ब्रांड वैल्यू करीब 227.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर आंकी गई थी। दूसरे स्थान पर रणवीर सिंह रहे, जिनकी ब्रांड वैल्यू 203.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर रही जबकि सुपरस्टार और आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक शाहरुख खान 120.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस सूची में एमएस धोनी और सचिन तेंदुलकर भी शामिल हैं। धोनी की ब्रांड वैल्यू 95.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर है जबकि सचिन 91.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ आठवें स्थान पर हैं। इस बीच, भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय बांगर का मानना ??है कि मौजूदा टी20 विश्व कप में विराट कोहली का खराब प्रदर्शन चिंताजनक नहीं है, क्योंकि यह तूफान से पहले की शांति है। कोहली ने पिछले मैच में यूएसए के खिलाफ शून्य पर आउट होने से पहले आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ क्रमशः 1 और 4 रन बनाए थे। पूर्व भारतीय कप्तान टूर्नामेंट में कप्तान रोहित शर्मा के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में खेल रहे हैं। कोहली के फॉर्म पर किसी भी संदेह को दूर करते हुए बांगर ने न्यूयॉर्क की पिच की चुनौतीपूर्ण प्रकृति का उल्लेख किया, जहां भारत ने तीनों मैच खेले। अनुभवी ने इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला कि यह पहली बार है जब कोहली आईसीसी टूर्नामेंट में ओपनिंग कर रहे हैं।

यदि वेस्ट इंडीज की पिचें टर्न लेती हैं तो कुलदीप विकेट निकाल सकते हैं : फ्लेमिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूज़ीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग ने भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को विकेट लेने वाला गेंदबाज बताते हुए कहा है कि वह वेस्ट इंडीज की टर्न लेती पिचों पर सुपर आठ में कहर बरपा सकते हैं। भारत ने ग्रुप चरण मैचों में आलराउंडर रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल को स्पिनर के रूप में रखा है। अक्षर ने तीन विकेट लिए हैं जबकि जडेजा न्यूयॉर्क चरण में विकेट रहित रहे हैं और फ्लोरिडा में कनाडा के खिलाफ मैच बारिश के कारण धुल गया था। फ्लेमिंग ने ईएसपीएन क्रिकइंफो टाइमआउट शो में कहा, हाँ, मुझे ऐसा लगता है, लेकिन उनके पास अभी भी वह अवसर है कि वे दोनों काम कर सकें। आप खेलने के एक तरीके में इतने सेट नहीं हो सकते हैं कि आप परिस्थितियों का लाभ उठाने के अवसर चूक जाएं लेकिन हाँ, मुझे लगता है कि अगर विकेट टर्न प्रदान करते हैं तो शायद कुलदीप विकेट लेने की अतिरिक्त क्षमता प्रदान करने के लिए आएंगे क्योंकि उनका थोड़ा अधिक उपयोग हो जाता है और आप टूर्नामेंट के अंत के करीब पहुँच जाते

हैं।भारत के टीम संयोजन पर टिप्पणी करते हुए, अनुभवी क्रिकेटर ने कहा कि भारत के पास किसी भी स्थिति में खेलने के लिए सभी आधारों के साथ एक संतुलित टीम है।

उन्होंने कहा, जायसवाल एक अच्छे खिलाड़ी हैं, जबकि उन्हें कुछ कठिन निर्णय लेने पड़े, जिससे शीर्ष गुणवत्ता वाले खिलाड़ियों को छोड़ना हमेशा मुश्किल होता है और जब आपके पास अच्छे खिलाड़ी बैठे हों तो एक योजना बनाना और उस पर टिके रहना हमेशा बहुत मुश्किल होता है, लेकिन उन्होंने जो काम किया है, वह मुझे पसंद है। उन्होंने इसमें सफलता हासिल की है। मेरे विचार से यह एक ऐसी टीम है जिसे कुछ मायनों में फाइनल के लिए चुना गया है, यह एक ऐसी टीम है जिसके पास स्पिनर हैं जो हावी हो सकते हैं। इसमें ऐसे खिलाड़ी हैं जो स्पिन पर हावी हो सकते हैं और हमने देखा है कि वेस्ट इंडीज में स्पिन काफी बड़ी भूमिका निभाती है, न्यूयॉर्क में इतनी बड़ी भूमिका नहीं निभाती। फ्लेमिंग ने कहा, तो, मुझे लगता है कि उन्होंने अपना काम पूरा कर लिया है और उनके दिमाग में काफी चतुराई भरी सोच है। ऐसा लगता है कि राहुल और लड़कों ने कुछ ऐसा ही किया है, उन्होंने एक ऐसी टीम चुनी है जिसके बारे में उन्हें लगता है कि यह एक टर्निंग ट्रैक पर खेल सकती है, इससे हमें शीर्ष पर अपना सर्वश्रेष्ठ मौका मिलेगा और इसमें अच्छा संतुलन होगा। भारत आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका के खिलाफ लगातार तीन जीत सहित सात अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम गुरुवार, 20 जून को बारबाडोस में अपने पहले सुपर आठ मैच में अफगानिस्तान से भिड़ेगी।

पेरिस ओलंपिक से पहले नीरज ने जीता गोल्ड, सीएम नायब सैनी ने दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। जैवलिन थ्रो स्टार नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने गोल्ड मेडल हासिल किया है। नीरज ने फिनलैंड में पावो नूरमी गेम्स 2024 में यह सफलता हासिल की है। हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने इस मौके पर उन्हें बधाई दी है। टोक्यो ओलंपिक में जैवलिन थ्रो के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने फिनलैंड में आयोजित पावो नूरमी गेम्स में जेवलिन में यह जीत हासिल की। उन्होंने 85.97 थ्रो कर पहला स्थान प्राप्त किया। नीरज ने इस जीत के साथ पेरिस ओलंपिक से पहले अपनी फॉर्म को लेकर अच्छे संकेत दे दिए हैं। इस खास मौके पर सीएम नायब सैनी ने उन्हें बधाई दी है। सीएम ने कहा, नीरज चोपड़ा को बधाई, वो देश का सम्मान लगातार बढ़ा रहे हैं। उन्हें गोल्ड मेडल जीतने के लिए बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं। उनकी इस जीत से पूरा देश खुश है, वो आगे भी इसी तरह देश के लिए मेडल जीतते रहें। चोट के बाद वापसी कर रहे नीरज का इस इवेंट में बेस्ट थ्रो 85.97 मीटर का रहा। तीसरे प्रयास में उन्होंने यह दूरी हासिल की। पहले प्रयास में 83.62 का बेस्ट थ्रो नीरज ने ही मारा था। लेकिन दूसरे प्रयास में फिनलैंड के ओलिवर हेलैंडर ने जेवलिन को 83.96 मीटर दूर फेंक दिया। तीसरे प्रयास में नीरज ने जो बढ़त बनाई वो अंत तक कायम रही। अगले महीने 26 जुलाई से 11 अगस्त तक पेरिस ओलिंपिक गेम्स का आयोजन होगा, जिससे पहले नीरज की शानदार वापसी ने आगामी पेरिस ओलंपिक को लेकर उनकी मजबूत तैयारियों की गवाही दी है।

नबी को पछाड़कर नंबर एक टी20 ऑलराउंडर बने स्टोइनिस, सूर्यकुमार बल्लेबाजों में शीर्ष पर बरकरार

दुबई, एजेंसी। स्टोइनिस एक स्थान के फायदे से नंबर एक ऑलराउंडर बने, जबकि नबी को तीन स्थान का नुकसान हुआ। श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा ऑलराउंडर्स में दूसरे और बांग्लादेश के अनुभवी शाकिब अल हसन तीसरे स्थान पर हैं। टी20 विश्व कप 2024 के बीच आईसीसी ने ताजा टी20 रैंकिंग जारी की है। ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी को पछाड़कर ताजा आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर एक ऑलराउंडर बन गए। मौजूदा संस्करण में स्टोइनिस ने छह विकेट चटकाने के अलावा बल्ले से भी उपयोगी योगदान दिया और ऑस्ट्रेलिया को सुपर आठ में जगह दिलाने में मदद की।

शीर्ष 10 टी20 ऑलराउंडर्स में पांड्या एकमात्र भारतीय – स्टोइनिस एक स्थान के फायदे से नंबर एक ऑलराउंडर बने, जबकि नबी को तीन स्थान का नुकसान हुआ। श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा ऑलराउंडर्स में दूसरे और बांग्लादेश के अनुभवी शाकिब अल हसन तीसरे स्थान पर हैं। नबी चौथे, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा छठे और भारत के हार्दिक पांड्या सातवें स्थान पर हैं। पांड्या को तीन मैचों में शानदार गेंदबाजी की वजह से एक स्थान का फायदा हुआ। शीर्ष 10 टी20 ऑलराउंडर्स में पांड्या एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं।

गेंदबाजों में रशीद शीर्ष पर बरकरार – वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने अब तक टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया है जो उनकी रैंकिंग में भी नजर आता है। बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन गेंदबाजी रैंकिंग में छह स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रशीद शीर्ष पर बने हुए हैं। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ भी छह स्थान के फायदे से 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि टीम के उनके साथी गुडाकेश मोती 16 स्थान की लंबी छलांग के साथ 13वें स्थान पर हैं।

अक्षर शीर्ष 10 टी20 गेंदबाजों में एकमात्र भारतीय – गेंदबाजों में हसरंगा तीसरे, राशिद चौथे, नॉर्त्जे पांचवें और अफगानिस्तान के फजलहक फारूकी छठे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड सातवें, एडम जैम्पा आठवें और भारत के अक्षर पटेल नौवें स्थान पर हैं। अक्षर को दो स्थान का नुकसान हुआ है। श्रीलंका के महीश तीक्ष्णा 10वें स्थान पर हैं। अक्षर शीर्ष 10 टी20 गेंदबाजों में भारत के एकमात्र खिलाड़ी हैं।

बल्लेबाजों में सूर्यकुमार शीर्ष पर – भारत के सूर्यकुमार यादव खेल के सबसे छोटे प्रारूप में नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। फिल

सॉल्ट, बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड पांच स्थान के फायदे से पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन 11वें पायदान पर हैं। पूरन को आठ स्थान का फायदा हुआ है। वेस्टइंडीज के शेरफेन रदरफोर्ड 43 पायदान की लंबी छलांग के साथ 42वें स्थान पर हैं।नबी को पछाड़कर नंबर एक टी20 ऑलराउंडर बने स्टोइनिस, सूर्यकुमार बल्लेबाजों में शीर्ष पर बरकरार

स्टोइनिस एक स्थान के फायदे से नंबर एक ऑलराउंडर बने, जबकि नबी को तीन स्थान का नुकसान हुआ। श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा ऑलराउंडर्स में दूसरे और बांग्लादेश के अनुभवी शाकिब अल हसन तीसरे स्थान पर हैं। टी20 विश्व कप 2024 के बीच आईसीसी ने ताजा टी20 रैंकिंग जारी की है। ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी को पछाड़कर ताजा आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर एक ऑलराउंडर बन गए। मौजूदा संस्करण में स्टोइनिस ने छह विकेट चटकाने के अलावा बल्ले से भी उपयोगी योगदान दिया और ऑस्ट्रेलिया को सुपर आठ में जगह दिलाने में मदद की।

शीर्ष 10 टी20 ऑलराउंडर्स में पांड्या एकमात्र भारतीय – स्टोइनिस एक स्थान के फायदे से नंबर एक ऑलराउंडर बने, जबकि नबी को तीन स्थान का नुकसान हुआ। श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा ऑलराउंडर्स में दूसरे और बांग्लादेश के अनुभवी शाकिब अल हसन तीसरे स्थान पर हैं। नबी चौथे, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा छठे और भारत के हार्दिक पांड्या सातवें स्थान पर हैं। पांड्या को तीन मैचों में शानदार गेंदबाजी की वजह से एक स्थान का फायदा हुआ। शीर्ष 10 टी20 ऑलराउंडर्स में पांड्या एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं।

गेंदबाजों में रशीद शीर्ष पर बरकरार – वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने अब तक टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया है जो उनकी रैंकिंग में भी नजर आता है। बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन गेंदबाजी रैंकिंग में छह स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रशीद शीर्ष पर बने हुए हैं। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ भी छह स्थान के फायदे से 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि टीम के उनके साथी गुडाकेश मोती 16 स्थान की लंबी छलांग के साथ 13वें स्थान पर हैं।

बांग्लादेशी स्टार साकिब को ICC ने दी कड़ी सज़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का 37वां मैच 17 जून को खेला गया. यह मैच बांग्लादेश और नेपाल के बीच खेला गया. जिसे बांग्लादेश ने 21 रन से जीत लिया. लेकिन इस मैच में एक घटना ने सबका ध्यान खींचा. जिस पर अब इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सख्त कार्रवाई की है. यह सख्त कार्रवाई बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तंजीम हसन साकिब के खिलाफ की गई है।

साकिब पर लगा मैच फिस का 15त्न जुर्माना – तंजीम हसन साकिब को नेपाल के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप मैच के दौरान अनुचित आचरण के लिए आईसीसी आचार संहिता के आर्टिकल 2.12 का उल्लंघन करते हुए पाया गया. जिसके बाद उन पर 15त्न मैच फीस का जुर्माना लगाया गया है.

क्यों लगाया गया साकिब पर जुर्माना? – यह घटना टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 37वें मैच के दौरान की है. नेपाल की पारी के तीसरे ओवर में तंजीम ने एक गेंद फेंकने के बाद आक्रामक तरीके से नेपाल के कप्तान रोहित पॉडेल की ओर बढ़े और उनसे शारीरिक संपर्क किया. दोनों खिलाड़ियों के बीच बहस और हाथ से इशारे हुए, जिसके बाद मैदानी अंपायर सैम नोगाज्स्की को हस्तक्षेप करना पड़ा.

क्या है आईसीसी का आर्टिकल 2.12 – तंजीम को खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.12 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया. जो ÷किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहयोगी कर्मी, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति (अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान दर्शक सहित) के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क÷ से संबंधित है. यह तंजीम का 24 महीने में पहला अपराध था, जिसके लिए उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट भी मिला है. गौरतलब है कि, 24 महीने के अंदर चार या अधिक डिमेरिट पॉइंट पर खिलाड़ियों को प्रतिबंधित किया जाता है. तंजीम ने औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं समझी और मैच रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा प्रस्तावित सजा स्वीकार कर ली।

केन विलियमसन ने शर्मनाक प्रदर्शन के बाद छोड़ी कप्तानी, इस खिलाड़ी ने भी की बगावत!

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। टी20 विश्व कप से न्यूजीलैंड के अप्रत्याशित रूप से जल्दी बाहर होने के बाद कप्तान केन विलियमसन ने 2024 . 25 के लिए राष्ट्रीय अनुबंध ठुकरा दिया है और अपने अंतरराष्ट्रीय कैरियर को विस्तार देने के लिए सीमित ओवरों की कप्तानी भी छोड़ दी है। विलियमसन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा, 'सभी प्रारूपों में टीम को आगे ले जाना मेरा जुनून रहा है और मैं आगे भी योगदान देते रहना चाहता हूं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन इस सत्र में विदेश में खेलने के मौकों के कारण मैं न्यूजीलैंड क्रिकेट का केंद्रीय अनुबंध नहीं ले सकूंगा।'

न्यूजीलैंड को जनवरी में बहुत कम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना है। दिसंबर 2022 में टेस्ट कप्तानी छोड़ने वाले विलियमसन इस दौरान तीनों प्रारूप खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। 33 वर्ष के इस धुरंधर ने कहा, 'न्यूजीलैंड के लिए खेलना मेरे लिए खास है और टीम के लिए योगदान देने की मेरी ख्वाहिश जस की तस है। क्रिकेट के बाहर मेरी जिंदगी हालांकि बदल गई है। परिवार के साथ अधिक समय बिताना , उनके साथ देश विदेश में अनुभव का लुत्फ उठाना मेरे लिए अधिक महत्वपूर्ण है।'न्यूजीलैंड टीम को क्रिसमस से पहले आठ टेस्ट खेलने हैं जिनमें भारत दौरा और इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला शामिल है। जनवरी में यूएई आईएलटी20, दक्षिण अफ्रीका की एसए20, ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग, बांग्लादेश की बीपीएल होने वाली है। इसके बाद फरवरी मार्च में पाकिस्तान में आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी होगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट का केंद्रीय अनुबंध लेने वाले खिलाड़ियों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए उपलब्ध रहना होगा।

भारतीय संस्कृति में कान छिदवाने का महत्व

भारतीय संस्कृति में कान छिदवाने का अलग ही महत्व है। आपने बहुत ही कम लोग देखे होंगे खासतौर से महिलाएं जिन्होंने अपने कान या नाक ना छिदवाएं हो। छोटे-छोटे बच्चों के भी कम उम्र में ही कान छिदवा दिए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि कम उम्र में नाक-कान छिदवाने से दर्द कम होता है, लेकिन आपने देखा होगा कि बहुत सारे लोगों के कान छिदने के बाद वो पक जाते हैं और उनमें मवाद आने लगती है। यह बहुत ही दर्दनाक होता है। ऐसा आमतौर पर तब होता है,जब कान छिदवाने के बाद अच्छे से उसकी देखभाल ना की जाए। आज हम आपको ऐसी ही जरूरी टिप्स बताएंगे जिनसे कान छिदने के बाद किसी भी तरह के इंफेक्शन के चांस नहीं रहेंगे। इन पांच बातों का रखें खास ध्यान..

1) नाक-कान छिदवाने के बाद इंफेक्शन का खतरा ना हो इसलिए ध्यान रखें कि उस जगह को सलाईन सॉल्यूशन या माइल्ड एंटीसेप्टिक सॉल्यूशन से कम से कम दिन में दो बार साफ करें। रूई पर थोड़ा सा लिक्विड लगाकर उस जगह को अच्छी तरह साफ करें। इसके लिए आप घर पर ही गुनगुने पानी में नमक डालकर सॉल्यूशन तैयार कर सकती हैं।

2) कान छिदवाने के बाद सोने या चांदी की बाली ही कान में डालें। किसी भी तरह की आर्टिफिशियल और भारी ज्वैलरी पहनने से बचें।

3) पियर्सिंग वाली जगह को बार-बार हाथों से ना छुएं। इससे बैक्टिरियल इन्फेक्शन होने का खतरा बना रहता है। थोड़ी-थोड़ी देर में हाथों की साबुन से धोकर बाली को अपनी जगह से घुमाएं,ताकि वो एक जगह चिपकी ना रहे।

4) कान छिदवाने के बाद आप दादी नानी का बताया हुआ घरेलू नुस्खा भी ट्राई कर सकती हैं। इसके लिए आपको सरसों के तेल में हल्दी को पकाना होगा। इसे हल्का गुनगुना होने पर कानों या नाक पर लगा दें। इससे इन्फेक्शन का खतरा तो टलेगा ही साथ ही राहत भी मिलेगी।

5) ध्यान रहे नहाते वक्त किसी भी तरह का साबुन, शैंपू या केमिकल प्रोडक्ट उस जगह पर ना लगें। ऐसा होने से इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। अगर कुछ दिनों तक सूजन, पस या बहुत ज्यादा दर्द है तो डॉक्टर को दिखाना ना भूलें।

प्रदोष व्रत पर बन रहे हैं 6 शुभ योग

प्रदोष व्रत के दिन साधक और साधिका भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए विशेष पूजा और उपाय करते हैं, ताकि शिवकृपा से उनकी मनोकामना पूरी हो और अभीष्ट फल की प्राप्ति हो।

भगवान शिव को समर्पित प्रदोष व्रत हिन्दू धर्म में विशेष महत्व रखता है। यह व्रत हर महीने की त्रयोदशी यानी तेरहवीं तिथि को रखा जाता है। तेरह संख्या को प्राय: सभी संस्कृतियों में अशुभ माना गया है। लेकिन वैदिक ग्रंथों के विधान ने इसे महादेव शिव को समर्पित कर इस तिथि अतिशुभ बना दिया है। यह व्रत प्रत्येक माह की दोनों त्रयोदशी तिथियों को रखा जाता है। ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 19 जून बुधवार को पड़ रही हैं। बुधवार को पड़ने के कारण यह प्रदोष व्रत के 'बुध प्रदोष व्रत' है, जिसे बहुत शुभ माना गया है।

पंचांग के मुताबिक, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि जून 19 को सुबह 7 बजकर 28 मिनट से आरंभ होगी और जून 20 की सुबह 7 बजकर 49 मिनट पर समाप्त होगी। जहां तक बुध प्रदोष व्रत की पूजा के मुहूर्त की बात है, तो इसकी कुल अवधि 2 घंटे की है, जो संध्या 7 बजकर 22 मिनट से लेकर 9 बजकर 22 मिनट तक है। इस अवधि में की गई पूजा सबसे बढ़िया फल देने सक्षम है।

बुध प्रदोष व्रत पूजा का मुहूर्त

क्र.सं.	योग/ नक्षत्र	समयावधि
1	सिद्ध योग	सुबह से रात के 9 बजकर 12 मिनट तक
2	साध्य योग	रात के 9 बजकर 12 मिनट से अगले दिन की रात 08 बजकर 13 मिनट तक
3	सर्वार्थ सिद्धि योग	संध्या 5 बजकर 23 मिनट से अगले दिन सुबह 5 बजकर 24 मिनट तक
4	रवि योग	संध्या 5 बजकर 23 मिनट से अगले दिन सुबह 5 बजकर 24 मिनट तक
5	अमृत सिद्धि योग	शाम 5 बजकर 23 मिनट से अगले दिन सुबह 5 बजकर 24 मिनट तक
6	अनुराधा नक्षत्र	संध्या 5 बजकर 23 मिनट से अगले दिन संध्या 6 बजकर 10 मिनट तक

सौभाग्य के लिए करें ये 3 उपाय

1. **शिवलिंग का विशेष अभिषेक करें :** बुध प्रदोष व्रत के दिन शिवालय या मंदिर में शिवलिंग का गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद, बेलपत्र, फल, फूल और नैवेद्य से अभिषेक करें। अभिषेक करते समय शिव षडाक्षरी मंत्र 'ॐ नम: शिवाय' मंत्र का जाप करें। देवाधिदेव महादेव के दिव्य रूप शिवलिंग का देवदार की लकड़ी के धूप के धुएं से सुगंधि दें और सुवासित करें।
2. **शिव रुद्राक्ष धारण करें :** बुध प्रदोष व्रत के दिन 7 मुखी रुद्राक्ष धारण करना विशेष रूप से शुभ माना जाता है। इसे को धागे में पिरोकर पहनें और हमेशा शुद्ध रखें।
3. **जल-तिल से अभिषेक करें :** यदि आपके मन का सोचा हुआ काम पूरा नहीं हो रहा है, तो जल में काले तिल मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करें। इससे बिगड़े हुए काम भी बन जाते हैं।

एकाग्रता और फोकस बढ़ाने के लिए करें योगासन

किसी भी काम को अच्छी तरह से पूरा करने के लिए फोकस का होना जरूरी है। हालांकि, कुछ लोगों में ध्यान और एकाग्रता की कमी होती है, जिसकी वजह से किसी भी काम को फोकस के साथ पूरी करना मुश्किल होता है। अगर एकाग्रता और फोकस की कमी है, तो आपको योग करना शुरू कर देना चाहिए। योग शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहने में मदद करता है। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है, ऐसे में इस दिन से पहले यहां जानिए एकाग्रता और फोकस बढ़ाने के लिए 5 योगासनों के बारे में-

चतुरंग दंडासन :- ये एक बेहतरीन योगासन है जो एकाग्रता बढ़ाने में मदद करता है। इससे मांसपेशियां भी मजबूत होती है। इस योगासन को करने के लिए पेट के बल लेट जाएं फिर अपने हाथों को आगे की ओर ले जाएं और अपने हाथों को कंधों के नीचे रखकर दंडासन में आ जाएं। फिर अपने पैरों को सीधा करें अब पैर के अंगूठे अंदर की ओर मोड़े लें। फिर सांस छोड़ते हुए अपनी कोहनियों को तब तक मोड़ें जब तक कि आपके कंधे आपकी कोहनियों के समान ऊंचाई पर न आ जाएं। अब सांस छोड़ें। प्लैंक पोज में आएं। अब इस पॉजिशन में कुछ देर के लिए रहें फिर पहली पॉजिशन में वापिस आ जाएं।

उत्कटासन

ये आसन जांघों को मजबूत करने, बाहों को टोन करने और ऊपरी पीठ को गतिशील बनाने में मदद करती है। इस आसन को चेयर पोज भी किया जाता है। इसे करने के लिए सीधे खड़े हो जाएं। जैसे ही आप सांस लेते हैं, बाहों को ऊपर की ओर फैलाएं और अपनी उंगलियों को छत की ओर ले जाएं। जैसे ही आप सांस छोड़ें घुटनों को मोड़ें और कूल्हों को नीचे और पीछे फर्श की ओर झुकाएं। अब कंधे को बाहरी कांख की ओर घूमने दें। अंदर जांघों को पीछे और नीचे बेंड करें।

पद्मासन

इस आसन को करने से एकाग्रता में सुधार होता है। इसे करने के लिए पैरों को सामने की ओर फैलाकर योगा मैट या जमीन पर बैठ जाएं। इस दौरान रीढ़ की हड्डी सीधी को रखें। फिर दाहिने घुटने को मोड़े और बहिनी जांघ पर रख दें, इस दौरान पांव का तलवा ऊपर की ओर हो। अब यही प्रक्रिया दूसरे पैर के साथ दोहराएं। दोनों पैरों को मोड़ें और पांव को विपरीत जांघो पर रखें। हाथों को मुद्रा स्थिति में घुटनो पर रखें। सिर सीधा और रीढ़ की हड्डी सीधी रहे। इसी स्थिति में रहकर गहरी सांस लेते रहें।

स्किन को डीप मॉइश्चराइज करने के लिए काफी अच्छा शहद

स्किन को डीप मॉइश्चराइज करने के लिए शहद काफी अच्छा है। अलग-अलग स्किन प्रॉब्लम से निपटने के लिए आप तरह-तरह के शहद वाले फेस पैक बना सकते हैं। शहद एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण से भरपूर होते हैं। आप अपनी स्किन से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने के लिए शहद का इस्तेमाल करें। यहां देखिए कैसे बनाएं फेस पैक.....

शहद मिलाएं और इससे अपने चेहरे पर मसाज करें। इसे 10 मिनट तक लगा रहने दें और फिर पानी से धो लें।

शहद केले का फेस पैक

त्वचा को गहराई से मॉइस्चराइज करने के लिए इस पैक को अपने चेहरे पर 15 मिनट तक लगाना है। फेस पैक को बनाने के लिए आधे केले को मैश कर लें और इसमें एक बड़ा चम्मच शहद मिलाएं। 15 मिनट रखने के बाद मास्क को पोंछ लें और अपना चेहरा पानी से धो लें।

शहद केसर फेस पैक

इस शानदार होममेड फेस पैक से आप चेहरे की चमक बढ़ा सकते हैं। इसके लिए केसर के कुछ धागों को एक चम्मच शहद में लगभग 15 से 20 मिनट के लिए भिगोएं। फिर इसे अच्छी तरह मिलाएं। शहद लग जाने के बाद इसे चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें। अब इसे गर्म पानी और फेसवॉश से धो लें।

शहद खीरा फेस पैक

इसे बनाने के लिए एक चम्मच शहद में एक चम्मच कद्दूकस किया हुआ खीरा मिलाएं और इस मिक्स को अपने चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद इसे रुमाल से पोंछ लें और फिर पानी से धो लें।

शहद पपीता फेस पैक

स्किन को सॉफ्ट और चमकदार बनाएं रखने के लिए एक चम्मच मसले हुए पपीते के गूदे में एक चम्मच शहद मिलाकर चेहरे पर लगाएं। फिर 15 मिनट बाद इसे पोंछ लें और अपने चेहरे को पानी और फेसवॉश से धो लें।

शहद कॉफी फेस पैक

स्किन को एक्सफोलिएट करने के लिए शहद और कॉफी से फेस मास्क बना सकते हैं। ये आपकी स्किन को फिर से फ्रेश बना देगा। इसे बनाने के लिए एक चम्मच कॉफी में एक चम्मच

बढ़ते बच्चे की परवरिश में अक्सर पैरेंट्स को होती है शिकायत

बढ़ते बच्चे की परवरिश में अक्सर पैरेंट्स को शिकायत होती है कि उनका बच्चा हमेशा जवाब में चिल्लाकर और तेज आवाज में बात करता है। खासतौर पर मां के साथ टीनएज बेटे अक्सर तेज आवाज में बात करते हैं। अगर आपका बेटा भी तेज आवाज में और चिल्लाकर बात करता है और रिस्पेक्ट नहीं करता तो कैसे डील करें।

बच्चा अगर चिल्लाकर बात करता है तो मां कैसे करें डील

- अगर आपका बच्चा आपके सवाल करने या कुछ पूछने पर तेज आवाज में चिल्लाकर जवाब देता है और बदले में आप उस पर जोर से चिल्लाती हैं। तो ये पूरी तरह से गलत है। पैरेंटिंग एक्सपर्ट का कहना है कि बच्चे को अच्छे मैनर सिखाने की बजाय दिखाने की जरूरत होती है। जब भी बच्चा तेज आवाज में या चिल्लाकर बात करने की कोशिश करे। ऐसे वक्त में वहां से हट जाएं। बच्चे को बोलें कि जब वो सामान्य होकर धीमी आवाज में और पूरे सम्मान के साथ बात करेगा। तभी आप उससे बात करेंगी।
- बच्चे की तेज आवाज पर या बोलने पर किसी भी तरह का रिस्पांस ना दें। पूरी तरह से अनदेखा करें। हर बार जब आप बच्चे के तेज आवाज में बोलने या चिल्लाने पर ऐसे ही रिस्पान्स देंगी। तो कुछ दिन में बच्चे के अंदर बदलाव देखने को जरूर मिलेगा।
- टीनएज बच्चा अगर इस तरह से आपकी बात नहीं मान रहा और मां की बातों को इग्नोर कर देता है तो ऐसे में जरूरी है कि पिता को बेटे को रिस्पेक्ट करना सिखाना चाहिए और चिल्लाकर बात करने पर उसे समझाना चाहिए।

मोटापे को ऐसे करें कम

मुंबई के मध्य में रहने वाले एक जोड़े कायनाज और पर्सियास घिस्टा की उल्लेखनीय यात्रा से पता चलता है कि बेरिएट्रिक सर्जरी ने उनके जीवन को कैसे प्रभावित किया है। दंपति मोटापे और संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। स्वस्थ जीवन जीने के लिए इन मुद्दों पर काबू पाने के लिए उन्होंने जो रास्ता चुना, उससे न केवल दंपत्ति के शारीरिक स्वास्थ्य में बदलाव आया, बल्कि उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन पर भी इसका व्यापक प्रभाव पड़ा।

पत्नी की यात्रा

वर्ष 2017 में, लगभग 126 किलोग्राम वजन वाली कायनाज ने वॉकहार्ट हॉस्पिटल्स मुंबई सेंट्रल में बैरियाट्रिक और मेटाबोलिक सर्जन डॉ. रमन गोयल से संपर्क किया। उसका वजन बढ़ना कई स्वास्थ्य समस्याओं का मूल कारण था, जिसमें जोड़ों का दर्द, उच्च रक्तचाप और जीवन की गुणवत्ता में कमी शामिल थी। उसे इन स्वास्थ्य समस्याओं से बाहर निकालने के लिए, अस्पताल के विशेषज्ञों ने उसके स्वस्थ जीवन और जीवन शक्ति को वापस पाने के लिए कायनाज पर बेरिएट्रिक सर्जरी करने का फैसला किया।

सर्जरी और स्वास्थ्य में सुधार

कायनाज़ ने अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने के लिए गैस्ट्रिक बाईपास सर्जरी करवाई। यह सर्जरी मुख्य रूप से अतिरिक्त वजन कम करने और मोटापे से संबंधित स्थितियों में प्रभावी ढंग से सुधार करने के लिए जानी जाती है। कायनाज की सर्जरी सफल रही और एक साल के भीतर वह काफी बदल गई, वजन कम हो गया और उसके स्वास्थ्य में सुधार हुआ। सर्जरी के छह साल बाद कायनाज का वजन 94 किलो है। कायनाज में इस बदलाव पर डॉ. गोयल ने कहा, हमने कायनाज़ को सर्जरी के बाद जीवन जीने के लिए दिशानिर्देश दिए और उसने उनका अच्छी तरह से पालन किया। उसे जीवनशैली में बदलाव करने के लिए भी कहा गयाऔर तो और, हमने जो भी कहा, उसने इतने समर्पण के साथ किया, यह निश्चित रूप से सराहनीय है।

सर्जरी के बाद का जीवन

वजन कम होने से कायनाज़ के जीवन में बदलाव आया। सर्जरी के बाद वे गतिविधियाँ जिन्हें करने में उन्हें कभी संघर्ष करना पड़ता था, वे उनके दैनिक जीवन का हिस्सा बन गईं। वह ऊर्जा से भरी हुई थी और इससे उसे अपने परिवार और दोस्तों के साथ सक्रिय रूप से समय बिताने का मौका मिला। प्रोफेशनल तौर पर उनका आत्मविश्वास बढ़ा. यह आत्मविश्वास उनके कार्य प्रदर्शन और सहकर्मियों के साथ संबंधों में परिलक्षित हुआ।

अपनी यात्रा के बारे में कायनाज़ कहती हैं, सर्जरी के बाद मैं बिल्कुल नई इंसान की तरह महसूस करती हूं। मैं बिना किसी थकान के अपने परिवार और दोस्तों के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग ले सकती हूं। मेरी नौकरी के प्रदर्शन में भी सुधार हुआ है और मैं हर दिन अधिक आत्मविश्वास महसूस करती हूं।

पति की यात्रा

अपनी पत्नी की सर्जरी की सफलता से प्रेरित होकर, लगभग 156 किलोग्राम वजन वाले पर्सियस ने एक साल बाद सर्जरी कराने का फैसला किया। मोटापे की समस्या के कारण पर्सियस गंभीर स्लीप एपनिया से पीड़ित था। इससे सोते समय उसकी सांस लेने पर असर पड़ रहा था।

सर्जरी और स्वास्थ्य में सुधार

डॉ. रमन गोयल ने कायनाज की तरह पर्सियस की बेरिएट्रिक सर्जरी की। पर्सियस को मेडिकल टीम से विशेष ध्यान देने की आवश्यकता थी क्योंकि उसे स्लीप एपनिया था। लेकिन, डॉ. गोयल के कौशल और सावधानीपूर्वक संचालन ने पूरी प्रक्रिया को बहुत सहज बना दिया। पर्सियस की सर्जरी सफल रही, वह बच गया और बेहतर स्वास्थ्य के लिए अपनी यात्रा शुरू कर दी। डॉ.गोयल ने इस पर टिप्पणी करते हुए, कहा, गंभीर स्लीप एपनिया के कारण पर्सियस का मामला विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण था। सर्जरी के दौरान उसके ऑक्सीजन के स्तर को नियंत्रित करने के लिए हमें जल्दी से आगे बढ़ना पड़ा। सौभाग्य से, सब कुछ ठीक हो गया और पर्सियस पूरी तरह से ठीक हो गया।

प्रकृति में सुधार एवं परिवर्तन

सर्जरी के बाद कायनाज़ ने अपने पति की स्थिति पर बारीकी से नजर रखी। अगले छह वर्षों में, पर्सियस का वजन घटकर 87 किलोग्राम रह गया और उसके स्वास्थ्य में काफी बदलाव आया।

अपने अनुभव को याद करते हुए, पर्सियस ने कहा, सर्जरी मेरे लिए जीवन बदलने वाली घटना थी। इससे मुझे वजन कम करने में मदद मिली और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मेरी स्लीप एपनिया में काफी सुधार हुआ। मैं सर्जरी से पहले वर्षों की तुलना में अब अधिक स्वस्थ और ऊर्जावान महसूस करता हूं।

गद्दे की सफाई के आसान टिप्स

दिनभर की थकान के बाद अपने बिस्तर पर लेटने का आराम किसी फाइव स्टार होटल से भी बेहतर होता है। हम अपनी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा बिस्तर पर बिताते हैं, इसलिए गद्दों और तकियों का गंदा होना आम बात है। हम चादरें तो बदल लेते हैं, लेकिन गद्दे और तकिए बदलना आसान नहीं होता। इनकी सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि गंदगी से हेल्थ पर असर पड़ सकता है। ड्राई क्लीनिंग महंगी होती है, इसलिए यहां कुछ आसान टिप्स दिए गए हैं, जिनसे आप घर पर ही गद्दे और तकियों की सफाई कर सकते हैं।

धूप में सुखाएं - गद्दे और तकियों को समय-समय पर धूप में रखें। धूप से इनमें मौजूद गंध और कीटाणु दूर हो जाते हैं। इसके लिए गद्दों और तकियों को बालकनी या छत पर रखें, जहां सीधे धूप आती हो। गद्दों को पलटते हुए धूप दिखाएं और बाद में एक छड़ी से झाड़ लें, ताकि धूल भी निकल जाए।

वैक्यूम क्लीनर - अगर धूप में रखना संभव नहीं है, तो वैक्यूम क्लीनर का उपयोग करें। इससे गद्दों में जमी धूल अच्छे से साफ हो जाएगी। गद्दों को खुली जगह में रखकर वैक्यूम करें और फिर पंखे की हवा में थोड़ी देर के लिए छोड़ दें।

स्टीमर - कपड़ों पर इस्तेमाल होने वाला स्टीमर भी गद्दों की सफाई में मददगार होता है। स्टीमर के नोजल को गद्दे के करीब ले जाकर साफ करें। इससे गद्दों की धूल और गंदगी आसानी से निकल जाएगी।

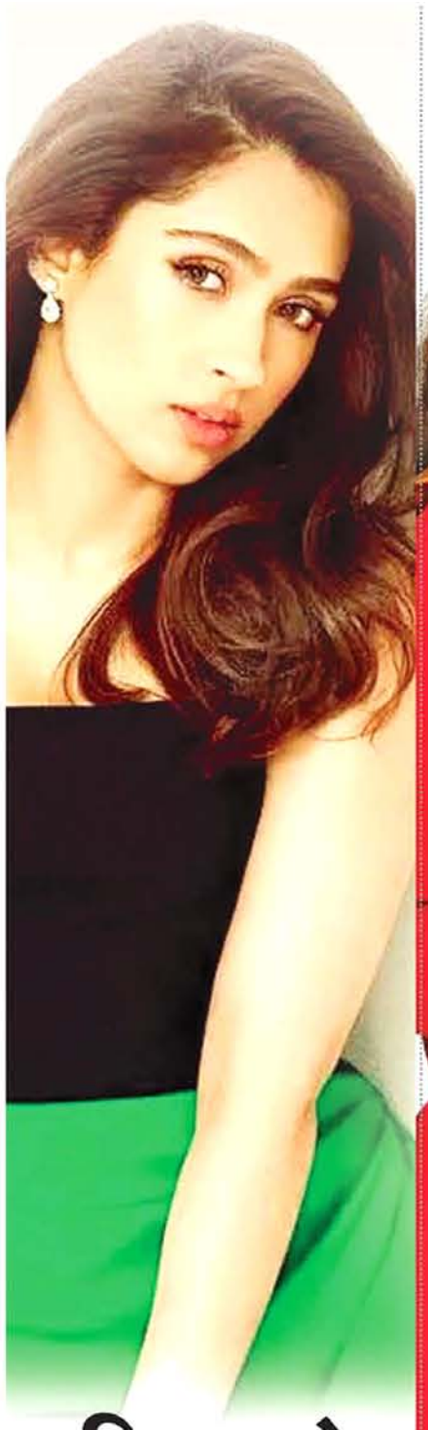

मैं कभी सही-गलत के दबाव में नहीं रही

छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत करने वाली मोना सिंह आज करियर के बीस साल बाद अपने मनचाहे किरदारों के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी में भी खुश हैं।

चालीस के पार आज आप दमदार भूमिकाओं में नजर आ रही हैं। 39 साल में आप शादी के बंधन में बंधीं। अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जीने पर आपको गर्व जरूर होता होगा?

सच तो ये है कि मैंने कभी भी सोसायटी का प्रेशर नहीं लिया। मेरे साथ मेरे पैरेंट्स हमेशा सपोर्टिव रहे। जब मेरी शादी नहीं हुई थी, तब लोग लगातार पूछा करते थे, कब शादी कर रही हो? मगर मैं कभी इस दबाव में नहीं आई की क्या सही है और क्या गलत? मैं अपनी जिंदगी जीती गई। मैंने अपनी गलतियों से खुद सीखा। मेरी चुनौतियां, रिस्क सभी कुछ मेरा अपना था। किसी ने मुझे गाइड नहीं किया। मेरे करियर की बात करूं तो आज ओटीटी ही नहीं बल्कि फिल्मों में भी एक ऐसा दौर आ गया है, जहां औरतों को सिर्फ फिलर्स के लिए कास्ट नहीं किया जा रहा कि यहां पर डांस घुसा दो या यहां पर इसे ग्लैमर ऐड करने के लिए रख दो। अब महिलाओं को अनगिनत रंग मिल रहे हैं निभाने के लिए। वो सिर्फ पॉजिटिव या नेगेटिव नहीं है।

आप तो एक बेहद मजबूत महिला हैं, मगर आम तौर पर आपको औरतों से जुड़ी किन बातों पर आपत्ति होती है?

मुझे सबसे ज्यादा आपत्ति इस बात पर होती है कि औरतों को हमेशा कहा जाता है कि क्या करो, क्या न करो। कहां जाओ, किससे शादी करो, कहां काम करो, सबकुछ बोलै जाता है। ये समझना बहुत जरूरी है कि ये हमारी जिंदगी है, हमें जीने दो। हमें अपनी गलतियां करने दो। हमारे पंख मत काटो। हमें उड़ने दो। अब आप हो देखिए, हम एयरक्राफ्ट्स भी उड़ा पा रही हैं। हम औरतें हर तरह से सक्षम हैं।

टीवी से शुरुआत करके आप फिल्मों और ओटीटी पर भी लगातार सक्रिय हैं। आपको सबसे ज्यादा मजा कहां आता है?

मुझे सबसे ज्यादा अभिनय पसंद है, अब वो माध्यम जो भी हो। एक एक्टर का ड्रीम होता है अलग-अलग रोल करना और मैं अपना वो ड्रीम जी रही हूं। मैं सालों पहले मुंबई आई ही इसलिए थी कि रोजाना एक्शन, कट सुन पाऊं। मेरे लिए माध्यम कभी ऐसा रहा ही नहीं कि मैं सिर्फ टीवी या ओटीटी अथवा फिल्म ही करूंगी। मेरी शुरुआत छोटे पर्दे से हुई थी। उसके बाद मैंने ब्रेक ले लिया था, क्योंकि मैं टीवी पर सब कुछ कर चुकी थी। मैंने रंगमंच में भी काम किया। फिर ओटीटी आ गया। मैं ओटीटी की शुक्रगुजार हूं कि मुझे इस प्लैटफॉर्म में इतने दमदार किरदार निभा पा रही हूं। मूवीज मिल रही हैं। मुझे 20 साल हो गए हैं इंडस्ट्री में, तो अब मैं एक्सपेरिमेंट कर रही हूं।

आपकी फिल्म मुंज्या सुपर नेचुरल पर आधारित है। क्या आप भूत-प्रेत में यकीन करती हैं?

मुझे लगता,है जो हॉरर या डर होता है, वो आपके दिमाग में होता है। हालांकि मैं हॉरर फिल्मों से बहुत ज्यादा डरती हूं। मुझे याद है, हम जब छोटे थे और बचपन खेलने जाते थे, तो सात बजे तक हमारी सीढ़ियों की लाइट नहीं जलाई जाती थी। खेलकूद कर मुझे जब सीढ़ियों से अपने घर जाना होता था, तब हमेशा यही लगता था कि कोई मेरे पीछे आ रहा है। उस वक्त मैं डर को भगाने के लिए वाहे गुरु वाहे गुरु का नाम जप कर सीढ़ियां भागते हुए चढ़ा करती थी। अभी भी मैं हॉरर फिल्मों से बहुत डरती हूं। हमेशा इमेजिन करना शुरू कर देती हूं कि बेड के नीचे कोई है। परदे के पीछे कोई है। फिल्म की शूटिंग में तो हमने बहुत मजे किए। हम अपने सीजीआई (कंप्यूटर से बनाए गए) एक्टर को हर जगह इमेजिन कर रहे थे। मुझ जैसे दर्शक के लिए ये फिल्म इसलिए भी सही है कि इसमें हॉरर और कॉमिडी का अच्छा मिश्रण है। वरना मुझ जैसे लोग तो सिर्फ हॉरर देखने जाएं ही नहीं।

मेरे खिलाफ नफरत बहुत बढ़ गई है, लेकिन अब ज्यादा फर्क नहीं पड़ता

संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' में आलमजेब का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस शर्मिन सहगल को बहुत ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। अब हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा- मुझे केवल इतना पता है कि मैंने आलमजेब के किरदार में बहुत मेहनत की थी। बाकी पसंद करना न करना दर्शकों के ऊपर है। लेकिन मुझे लगता है कि मेरे खिलाफ नफरत बहुत ज्यादा बढ़ गई है। हालांकि मेरे साथ मेरा सपोर्ट सिस्टम है, जो हमेशा मेरे साथ खड़ा है। इसलिए मुझे किसी चीज से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। मीना कुमारी पर दिए बयान को लेकर शर्मिन का कहना है कि लोगों ने उनकी बात को गलत तरीके से लिया है। उन्होंने कभी अपनी तुलना मीना कुमारी से नहीं की। मेरे शब्दों का गलत मतलब निकाला गया है। मैंने ये बिल्कुल नहीं कहा था कि उनकी एक्टिंग में एफर्ट नहीं होते थे।

शर्मिन ने संजीदा को आउटसाइडर बताया था

एक इंटरव्यू के दौरान संजीदा शेख से पूछा गया था कि संजय लीला भंसाली के साथ काम करने का एक्सपीरियंस कैसा रहा? संजीदा ने कहा वो परफेक्शनिस्ट हैं। वो बहुत ज्यादा क्रिएटिव हैं। वो चाहते हैं कि कोई भी सीन साधारण न दिखे, वो जो भी करते हैं वो एक्सीलेंस से कम नहीं है। उनके शानदार क्रिएटिव दिमाग, आर्ट के लिए शार्प एडवोकेसी और ईमानदारी के लिए दुनिया भर में उनका सम्मान किया जाता है। इस पर शर्मिन ने संजीदा की बात को काटते हुए कहा था कि परफेक्शनिस्ट, भंसाली के बारे में बताने के लिए एक बेहद ही बेसिक सा वर्ड है। ये ऐसा शब्द है जिसका यूज एक आउटसाइडर इंसान ही कर सकता है, जिसने कभी उनके साथ काम नहीं किया या कभी सेट पर उनके डायरेक्शन को नहीं देखा। मुझे लगता है उनका काम इससे बहुत ज्यादा है। शर्मिन का बयान नेटिजन्स को पसंद नहीं आया। उनको एक्ट्रेस का ये रवैया सही नहीं लगा। यूजर्स का दावा है कि शर्मिन ने संजीदा को टोकते हुए उन्हें 'आउटसाइडर' कहा था।

पश्मिना ने बॉलीवुड में देर से डेब्यू करने की बताई वजह

ऋतिक रोशन की बहन पश्मिना रोशन 'इश्क विश्क रिबाउंड' से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने एक साक्षात्कार में ऋतिक से मिली सलाह के बारे में साझा किया। अभिनेत्री यह भी बताया कि उन्होंने इतनी देर से फिल्मों में क्यों डेब्यू किया? अभिनेता ऋतिक रोशन की बहन और म्यूजिक डायरेक्टर राजेश रोशन की बेटी पश्मिना रोशन 'इश्क विश्क रिबाउंड' से बॉलीवुड में डेब्यू करने को तैयार हैं। इस फिल्म में वह फीमेल लीड रोल में नजर आएंगी। उनके साथ अभिनेता रोहित सराफ, जिब्रान खान और नैला ग्रेवाल भी मुख्य भूमिका में दिखेंगे। यह रोमांटिक ड्रामा फिल्म 21 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस बीच पश्मिना ने एक साक्षात्कार में ऋतिक रोशन से मिली सलाह के बारे में साझा किया।

ऋतिक से मिली ये सलाह

साक्षात्कार के दौरान पश्मिना से जब यह पूछा गया कि क्या उन्हें उनके भाई ऋतिक और चाचा राकेश रोशन से कोई सलाह मिली है। इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा, बिल्कुल, मुझे एक कलाकार के रूप में कैसे सुधार करना है और जीवन में कैसे खुद को बेहतर बनाना है, इसके लिए मुझे उनसे सलाह मिली है। एक फिल्म या एक फिल्म निर्माता को एक चरित्र की आवश्यकता होती है। इससे कम पर समझौता नहीं किया जा सकता। असली खेल तो अब शुरू हो रहा है। मैं शुक्रवार को 'इश्क विश्क रिबाउंड' से डेब्यू कर रही हूं। इस फिल्म के बाद मुझे एक फ्रीलांसर की तरह और काम ढूंढना होगा।

इसलिए देर से किया डेब्यू

अभिनेत्री से जब पूछा गया कि उन्होंने इतनी देर से क्यों डेब्यू किया, तो उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में होना इतना आसान नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है। मुझे कैमरे के सामने तैयार रहना पड़ता था। अभिनेत्री ने कहा, 'मैं अपने अभिनय और डांसिंग स्किल पर काम कर रही थी। यह केवल एक महीने का सफर नहीं है, इसमें लंबा समय लगता है। इसे बेहतर बनने में समय लगेगा।'

'इश्क विश्क रिबाउंड' के बारे में

'इश्क विश्क रिबाउंड' की घोषणा के बाद से ही यह फिल्म चर्चा में बनी हुई है। बता दें कि शाहिद कपूर की 'इश्क विश्क' दो दशक पहले अप्रैल 2003 में रिलीज हुई थी। फिल्म में प्रेम और मित्रता के बीच घटित होने वाली चीजों को उजागर किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी शुरुआत पश्मिना के किरदार के जिब्रान को डेट करने से होती है। वहीं, रोहित का किरदार नैला ग्रेवाल के साथ रोमांस करते हुए दिखेगा।

काम करने का तरीका बदल गया है, हमें स्टैंड लेना चाहिए

काई पो चे, सुल्तान और गोल्ड जैसी कई फिल्मों में काम कर चुके एक्टर अमित साध ने बॉलीवुड पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अच्छे रोल करने के बावजूद उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा है।

बॉलीवुड में काम करने का तरीका एकदम बदल गया है। जिसकी वजह से वो काफी दुखी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अमित साध ने कहा- बॉलीवुड में जो हो रहा है, वह दुखद है। अच्छे काम करने के बाद भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। हमें एक दूसरे के लिए खड़े होने की जरूरत है। अगर किसी के साथ कुछ गलत हो रहा है तो मुझे लगता है कि स्टैंड लेना चाहिए। लेकिन लोग एक दूसरे की आलोचना करते हैं। अमित साध ने कहा- अगर कोई अच्छा

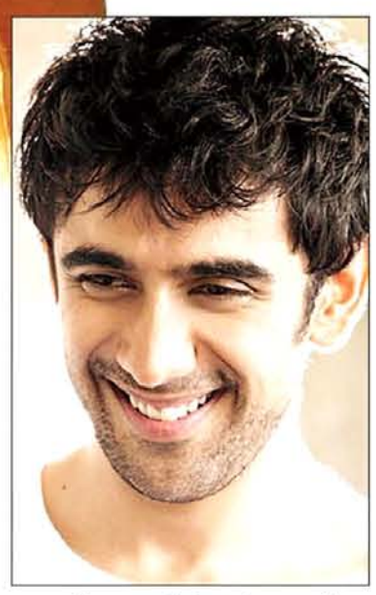

काम नहीं कर रहा है तो उसके काम की आलोचना करना एक सही तरीका होना चाहिए। चाहे वह उसके करियर की डेब्यू फिल्म हो या फिर पांचवी। मैं अपनी एक्टिंग की आलोचना न किए जाने के लिए आभारी हूं। मुझे हमेशा बेहतरीन अवसर मिल रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्टर ने यूट्यूब पर अपना बाइकिंग और ट्रैवल रिलेटेड शो शुरू किया है। इससे पहले वो पिछले मोटरसाइकिल से भारत भ्रमण पर निकले थे। मुंबई से शुरू हुई उनकी यात्रा लेह लद्दाख पर पहुंचकर पूरी हुई थी। अमित साध कहते हैं कि यात्रा करना उनको बहुत अच्छा लगता है। मोटरसाइकिल उनके जीवन का अभिन्न अंग रहा है। अमित आखिरी बार शिल्पा शेट्टी की फिल्म 'सुखी' में नजर आए थे।

मेघना की अगली फिल्म में करीना के साथ नजर आएंगे आयुष्मान

हिन्दी सिनेमा को तलवार, छपाक, राजी और सैम बहादुर सरीखी फिल्में देने वाली निर्देशिका मेघना गुलजार एक बार फिर से दर्शकों के सामने वास्तविक घटना पर फिल्म देने की तैयारी में हैं। मेघना की यह फिल्म 2019 में पेशे से जानवरों की डॉक्टर की जिन्दगी पर आधारित है, जिसका चार लोगों ने मदद करने के बहाने से गैंग रेप किया और सबूत मिटाने के नाम पर उसे जलाकर मार डाला। उनकी इस फिल्म में पहली बार करीना कपूर और आयुष्मान खुराना एक साथ काम करते नजर आएंगे। मेघना गुलजार की इस फिल्म का नाम दायरा रखा गया है। लंबे समय से मेघना फिल्म की रिसर्च पर काम कर रही थीं। वो इस फिल्म की सही मायनों में पेश करना चाहती हैं जिससे कोई विवाद न हो। इसलिए लंबा समय लेने के बाद अब करीना और आयुष्मान के साथ फिल्म की शूटिंग के लिए तैयार हैं। 2019 हैदराबाद रेप केस ने पूरे देश को हिला कर रख दिया था। मामला 27 नवंबर 2019 का है। एक 26 साल की जानवरों की डॉक्टर से रेप किया गया और फिर निर्मम तरह से उसे मार कर जला दिया गया। अगले दिन पुलिस को युवती का अध जला हुआ शरीर चटनपल्ली पुल के नीचे मिला।

पापा नवाजुद्दीन के नक्शेकदम पर चलने को तैयार शोरा सिद्दीकी

अक्सर स्टारकिड्स अपने माता-पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए फिल्मी दुनिया में पहचान बनाते हैं। तमाम उदाहरण इंडस्ट्री में हैं। अब अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की बेटी शोरा भी अपने पिता की तरह अभिनय की दुनिया में जादू बिखरने की तैयारी में हैं। स्टारकिड्स जब एक्टिंग की दुनिया में आते हैं तो नेपोटिज्म पर भी बहस होती है। बेटी को लेकर नवाज ने बताया है कि शोरा ने स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स फैकल्टी से जुड़ने की पहल की है। इसके अलावा इंडस्ट्री में अपना भविष्य बनाने के लिए शोरा वर्ल्ड सिनेमा को भी एक्सप्लोर कर रही हैं। यहां तक कि उन्होंने पिता की मदद लेने से साफ इनकार कर दिया है। नवाजुद्दीन ने फिल्म कंपैनियन के साथ बातचीत में कहा कि उनकी बेटी फिलहाल ट्रेनिंग ले रही हैं। नवाज ने बताया कि उनकी बेटी ने परफॉर्मिंग आओर्ट फैकल्टी में एडमिशन लिया और अपने टीचर के आगे होथ जोड़कर कहा, मैं एक्टिंग सीखना चाहती हूं। अभिनेता ने शोरा के कोर्स और ट्रेनिंग से जुड़ी जानकारियां भी दीं। साल के आखिर में उनकी योजना एक प्ले में शामिल होने की भी है।

हर तरह से बेटी के पैशर को करते हैं सपोर्ट

नवाजुद्दीन ने बताया कि उन्होंने कभी शोरा को अभिनय के लिए प्रोत्साहित नहीं किया, लेकिन बेटी के पैशन को उन्होंने हर तरह से सपोर्ट किया है। एक्टर ने कहा कि अब जब उनकी बेटी एक्टिंग में इतनी दिलचस्पी लेती हैं तो और लोग भी उसे आगे बढ़ाते हैं। नवाज के मुताबिक, शोरा यह काम स्वतंत्र रूप से कर रही हैं। नवाजुद्दीन ने बताया कि उन्हें तो लंबे समय तक बेटी के आर्ट फैकल्टी जाने की जानकारी ही नहीं थी। यह भी नहीं पता था कि कौन-सी वर्कशॉप करती हैं। शोरा खुद सबकुछ सर्च करती हैं, अपनी मां से बताती हैं और फीस के लिए फिर उनसे बात करती हैं।

ऋतिक की एक्स वाइफ सुजैन करने जा रही हैं निकाह!

ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी सुजैन खान इन दिनों चर्चा में बनी हुई हैं। अफवाहों का बाजार गर्म है कि सुजैन खान अपने बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी के साथ जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। वहीं इन खबरों के बीच कल सुजैन खान अर्सलान गोनी के संग ईद मनाती नजर आई। सुजैन खान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से कई सारी तस्वीरों को एक साथ एक वीडियो के रूप में साझा किया है। सुजैन खान की इन तस्वीरों में अली गोनी, जैस्मिन भसीन और गोनी परिवार के कई सदस्य नजर आ रहे हैं। सुजैन खान की इस फोटो को देखकर एक यूजर ने लिखा है -अब तो निकाह कर ही लीजिए, वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा है, दोनों की जोड़ी कमाल लगती है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस : शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम व नोएडा स्टेडियम में होगा योग

नोएडा (चेतना मंच)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। आगामी 21 जून को विश्व भर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है।

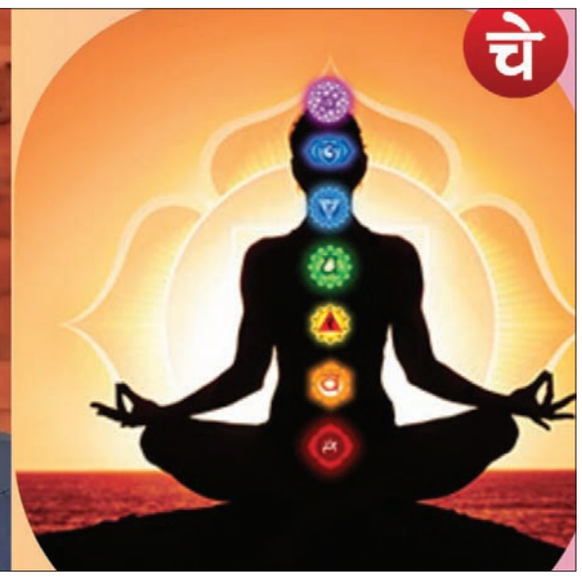

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि वसुधैव कुटुंबकम की भावना को मजबूती प्रदान करने वाला तथा पूरी मानवता को एक साथ जोड़ने में सशक्त माध्यम के रूप में योग स्वयम् और समाज के लिए थीम पर आधारित दशम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2024 को प्रात: 6: 00 बजे से 8: 00 बजे के मध्य शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम ग्रेटर नोएडा एवं नोएडा स्टेडियम सेक्टर 21 नोएडा में आयोजित किया जाएगा, जिसमें जनप्रतिनिधि, अधिकारी, स्कूल कॉलेज के विद्यार्थियों, एनसीसी, एनएसए स्वयंसेवी संस्थाओं, योग संस्थाओं एवं जन सामान्य के द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि दशम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2024 को योग प्रशिक्षकों के द्वारा प्रात: 6:00 से 8:00 के मध्य कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार 45 मिनट तक योगाभ्यास कराया जाएगा। साथ ही संवाद के माध्यम से जनमानस को योग से होने वाले लाभों से भी परिचित कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर समस्त जनपदवासी आमंत्रित हैं।

सेक्टर-117 में बनेगा एनिमल शेल्टर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने सेक्टर-117 में बीमार एवं निराश्रित पशुओं के रखरखाव और इलाज के लिए प्रस्तावित एनिमल शेल्टर एवं अस्पताल स्थल का निरीक्षण किया गया।

यह एनिमल शैल्टर एवं अस्पताल 16600 वर्ग मीटर भूमि में सेक्टर-117 में नोएडा प्राधिकरण द्वारा बनाया जायेगा। जिसमें डॉग्स के लिए कैनाल, ऑपरेशन थिएटर, स्टरलाइजेशन की सुविधा, डॉग्स की बर्थ कंट्रोल की सुविधा रहेगी एवं एनिमल शेल्टर से नोएडा शहर की सड़कों पर घूमने वाले निराश्रित गोवंश और कुत्तों पर नियंत्रण रखा जा सकेगा। सेंटर के संचालन के लिए एजेंसी का चयन टेंडर या RFP माध्यम किया जायेगा।

सीईओ लोकेश एम ने बताया कि यह एनिमल शेल्टर एवं अस्पताल एन0सी0आर0 का सबसे उत्कृष्ट, एडवांस लेटेस्ट तकनीक पर आधारित होगा जिसमें पशुओं का नवीनतम तकनीक से इलाज, ऑपरेशन एवं भोजन, पानी की समस्त सुविधा उपलब्ध होगी। सेंटर के संचालन के लिए एजेंसी का चयन टेंडर या RFP माध्यम किया जायेगा।

एजेंसी द्वारा सभी बीमार एवं निराश्रित पशुओं को एंबुलेंस द्वारा अस्पताल तक ले जाया जायेगा तथा उनका इलाज निशुल्क किया जायेगा। निराश्रित पशुओं के इलाज के लिए एजेंसी द्वारा कोई शुल्क नहीं लिया जायेगा। इस शेल्टर में उच्च शिक्षा प्राप्त किये हुए डॉक्टर एवं पेरावेट उपलब्ध होंगे और पशुओं के इलाज के लिए 24 घंटे सुविधा उपलब्ध रहेंगी।

इस मौके पर जनस्वास्थ्य विभाग के उपमहाप्रबंधक एसपी सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक तथा प्रभारी आर.के. शर्मा समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

राहुल के जन्मदिन पर कांग्रेसियों ने शरबत-ए-मोहब्बत बांटा

नोएडा (चेतना मंच)। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा सांसद राहुल गांधी के जन्मदिन पर भीषण गर्मी में प्यासे राहगीरों को शरबत-ए-मोहब्बत पिलाया।

महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में सेक्टर-53 पार्टी कार्यालय नोएडा गिझोड में राहगीरों मजदूर एवं जरूरतमंदों के लिए शरबत-ए-मोहब्बत का वितरण किया गया जिसमें सैकड़ो राहगीर एवं मजदूरों ने तपती गर्मी में शरबत पीकर राहत पाई।

इस मौके पर नोएडा महानगर के पूर्व अध्यक्ष नोएडा शहाबुद्दीन, कांग्रेस नेता राजकुमार भारती,कांग्रेस नेता सत्येंद्र शर्मा, दयाशंकर पांडे, सुनील वशिष्ठ, सेविक सोशल आउटरीच युवा अध्यक्ष नोएडा मोहम्मद चांद, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय ज्वाइंट कोऑर्डिनेटर व हिमाचल प्रदेश प्रभारी लियाकत चौधरी, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजकुमार मोनू, विक्रम चौधरी, डा सीमा, एससी एसटी नोएडा महानगर अध्यक्ष रोहित चौधरी, रोहित शिप्रा, सतीश पांचाल, अरुण प्रधान, आरिफ व अन्य लोग मौजूद रहे।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर साइबर ठगी, दो गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। साइबर क्राइम पुलिस ने शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 48.50 लाख की ठगी करने वाले गैंग के दो शातिर साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक्सिस बैंक के जूनियर मैनेजर भी शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के पास से मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। साथ ही इनके खातों में 3.25 लाख रुपये फ्रीज कराए गए हैं। इस मामले में 16 अप्रैल को मुकदमा दर्ज किया गया था।

साइबर क्राइम पुलिस ने ऋषभ मिश्रा और धीरज पोरवाल को सेक्टर-41 से गिरफ्तार किया गया है। ऋषभ मिश्रा सेक्टर-25 स्थित जलवायु विहार के एक्सिस बैंक में जूनियर मैनेजर के पद पर काम कर रहा था। वहीं, आरोपी धीरज पोरवाल फर्जी फर्म का संचालक है। साइबर सेल के एसीपी विवेक रंजन राय ने बताया कि फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफार्म बनाकर साइबर जालसाजों ने कुछ दिन पहले नोएडा के एक शख्स से शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 48.50 लाख रुपये की ठगी की थी। इस मामले में नोएडा के साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले के तफतीश के दौरान पता चला है कि दोनों जालसाज अपने गिरोह के सदस्यों के साथ फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से धोखाधड़ी करते थे और फर्जी फर्मो के नाम से खोले गए खातों में धोखाधड़ी की रकम ट्रांसफर कराते हैं। इसके लिए इनलोगों को कमीशन मिलता है।

एसीपी विवेक रंजन राय ने बताया कि इन गिरफ्तार आरोपियों ने इस ठगी में शामिल आरके ट्रेडर्स व अन्य फर्मो के खातों को खोलने के लिए अपने आप को व्यापारी बताकर न्यू अशोक नगर दिल्ली में पोरवाल ट्रेडर्स के नाम पर रेंट एग्रीमेन्ट तैयार कर दुकान किराये पर ली थी।

परिवहन विभाग ने किये 2200 प्रतिबंधित वाहनों के चालान : डा. सियाराम वर्मा

- 30052 की आरसी निरस्त, 6812 हुए स्क्रेप्ड
- जनपद में 10-15 वर्ष पुराने कुल 972572 वाहन

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद में मौजूद 1लाख 72 हजार 572 पुराने व खटारा वाहनों में से परिवहन विभाग 2200 वाहनों के चालान कर चुका है। वहीं 30052 वाहनों के रजिस्ट्रेशन सर्टीफिकेट (आरसी) निरस्त किए जा चुके हैं। यह जानकारी सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) एआरटीओ डा. सियाराम वर्मा ने दी है।

डा. वर्मा ने बताया कि जनपद में कुल 1,72,572 10-15 वर्ष पुराने वाहन हैं। जिसमें से 15 वर्ष पुराने पेट्रोल वाहनों की संख्या 136328 है तथा 10 वर्ष पुराने डीजल वाहनों की संख्या 36244 है।

एआरटीओ डा. सियाराम वर्मा ने बताया कि अब तक 6812 वाहनों को स्क्रैप में तब्दील किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हरित अभिकरण (एनजीटी) के आदेश के तहत दिल्ली एनसीआर में 15 वर्ष पुराने पेट्रोल वाहन तथा 10 वर्ष पुराने डीजल वाहनों का संचालन प्रतिबंधित है। ऐसे वाहनों के खिलाफ विभाग लगातार कार्यवाही कर रहा है। उन्होंने बताया कि जो लोग अपने पुराने वाहनों को क्रश करना चाहते है। वे नोएडा के ए-6 फेस-।।, सेक्टर-80 स्थित सेक्टर पर जा सकते हैं तथा ग्रेटर नोएडा में बी-10 इकोटेक-। एक्सटेंशन में जाकर वाहनों को क्रश कराकर सर्टीफिक्रेट हासिल कर सकते हैं।

ठंडा शरबत व आम-केले का किया वितरण

नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय सेवा समर्पण के द्वारा चिलचिलाती गर्मी में निर्जला एकादशी के दिन राहगीरों को ठंडा शरबत पिलाया गया।

राष्ट्रीय सेवा समर्पण के अध्यक्ष व संस्थापक धर्मेंद्र नन्दा ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा समर्पण की टीम के द्वारा सुबह 11 बजे से लेकर शाम को 6 बजे तक सेक्टर-50 के रामज्ञा स्कूल के पास और मेन मार्किट बीकानेर स्वीट के सामने मुख्य रोड पर करीब 1100 लीटर शरबत व केले और आम फलों का वितरण राहगीरों को किया गया।

इसमें अनिल साहनी, आशा पोद्दार, उषा थापा, मनोज कटारिया, निमिषा नेगी, मधु चौधरी, सुनील नन्दा, कनिष्, के अलावा, गीतांशी और हिताक्षी आदि बच्चों ने भी पूरे दिन समापन तक सेवा में बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभाई।

खराब नम्बर प्लेट, ट्रिपल राइडिंग, गाड़ी में लगा हूटर और सीट बेल्ट नहीं पहनने वालों का चालान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में यातायात नियमों को तोड़ने वालों पर गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट की यातायात पुलिस सख्त कार्यवाही कर रही है। यातायात पुलिस ने एक दिन में ही सात हजार चालान काट दिए। साथ ही गाड़ियों में हूटर व लाल-नीली बत्ती भी उतार ली।

नोएडा में आमतौर पर यातायात नियमों का पालन बेहद कम होता है। ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को रोकने के लिए नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाया है। इस विशेष अभियान का पहला चरण इस महीने की शुरुआत में चलाया गया था। जब दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट नहीं पहनने पर 5,200 वाहन चालकों का चालान किया गया था। मंगलवार की कार्रवाई भी उतनी ही सख्त थी।

नोएडा ट्रैफिक पुलिस का अभियान नोएडा के कई इलाकों जैसे सेक्टर-15, सेक्टर-125, सेक्टर-62, सेक्टर-52 मेट्रो, सेक्टर-51 मेट्रो, सेक्टर-71 चौक, किसान चौक जैसी जगहों पर चलाया गया। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक 17 वाहनों को टो किया गया और 28 वाहनों को जब्त किया गया। बिना हेलमेट पहने सवारों को कुल 4,569 चालान जारी किए गए। जबकि कार चालकों को सीट बेल्ट न पहनने पर 247 चालान जारी किए गए। दोपहिया वाहन पर तीन सवार पाए जाने के 153 मामले भी सामने आए। इसके अलावा, लगभग 30 लोग चलते समय अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते पाए गए, ध्वनि प्रदूषण उल्लंघन के लिए 77 चालान, वायु प्रदूषण उल्लंघन के लिए 66 और खराब नंबर प्लेट वाले वाहनों के लिए 121 चालान जारी किए गए।

नोएडा में ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कुल मिलाकर सिर्फ एक दिन में 6,945 ई-चालान जारी किए गए हैं।

नोएडा पुलिस ने अवैध हूटर, बीकन, सायरन और सरकारी स्टिकर लगाने वाले वाहनों के खिलाफ भी अभियान तेज कर दिया है। पुलिस ने इन चीजों का इस्तेमाल करते हुए पकड़े गए कम से कम 447 वाहनों का चालान काटा है। पिछले 14 दिनों में, दोपहिया और चार पहिया वाहनों पर हूटर सायरन के लिए 77 चालान, पुलिस कलर्स रखने के लिए 23 और उत्तर प्रदेश/भारत सरकार के लेबल/स्टिकर लगाने के लिए 3 चालान जारी किए गए। अभियान 25 जून तक जारी रहेगा।

अभियान शुरू होने के बाद से ट्रैफिक पुलिस ने हूटर के इस्तेमाल के लिए 238, पुलिस स्टिकर लगाने के लिए 87 और वाहनों पर यूपी और केंद्र सरकार के स्टिकर लगाने के लिए 1,554 चालान जारी किए हैं।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com